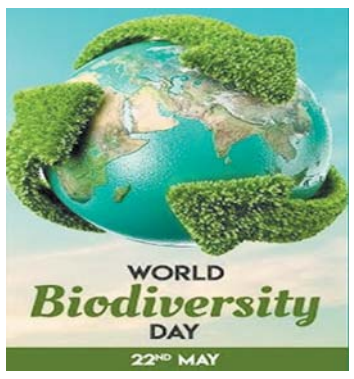

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 282/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 22 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

बीकानेर के देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा-अर्चना की।

बीकानेर में पाकिस्तान पर खूब गरजे पीएम मोदी

दुश्मनों ने सिंदूर को बारूद बनते देखा

22 अप्रैल का बदला 22 मिनट में

बीकानेर। 26 हजार करोड़ रुपये की सौगातों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर पहुंचे थे। ऑपरेशन सिंदूर के बीच पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब पीएम मोदी ने हुंकार भरी और आतंकवाद को लेकर पड़ोसी मुल्क पर जमकर गरजे। पीएम मोदी ने

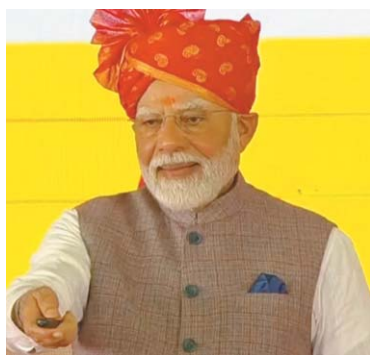

कहा कि पूरी दुनिया ने देखा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो क्या होता है। ऑपरेशन को लेकर पीएम ने कहा, मोदी का दिमाग ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म होता है और मोदी की नसों में लहू नहीं गरम सिंदूर बह रहा है। हर आतंकी हमले की कीमत पाकिस्तान को चुकानी होगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कीमत चुकाएगी। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के जवाब में 22 मिनट में आतंकवाद के 9 ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए। पीए मोदी ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा, '22 अप्रैल को धर्म पूछकर हमारी बहनों की मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था। वो गोलियां पहलगाम में चली थी लेकिन उन गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। इसके बाद हर देशवासी ने एकजुट होकर संकल्प लिया था कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे। आज आपके आशीर्वाद से, देश की

सेना के शौर्य से हम सब उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि यह संयोग है कि पांच साल पहले जब बालाकोट में एयरस्ट्राइक हुई थी तो उसके बाद उनकी पहली सभा राजस्थान में सीमा पर हुई थी। वीरभूमि का यह तप है कि ऐसा संयोग बन जाता है, इस बार जब ऑपरेशन सिंदूर हुआ तो उसके बाद भी पहली जनसभा वीरभूमि राजस्थान की सीमा पर बीकानेर में हुई।

करणी माता मंदिर में पूजा की

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर जिले में करणी माता मंदिर में देवी के दर्शन किए। मोदी बीकानेर हवाई अड्डे पर पहुंचे और देशनोक स्थित मंदिर की ओर रवाना हुए। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी थे। करणी माता को शक्ति और योद्धाओं की देवी माना जाता है। इस पूजा को भारत की ताकत और जीत का प्रतीक माना जा रहा है। देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और पालना गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने 26,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। इस दौरे को रणनीतिक और प्रतीकात्मक रूप से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर कविता सुनाई

जो सिंदूर मिटाने निकले थे,
उन्हें मिट्टी में मिलाया है।
जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे,
आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है।
जो सोचते थे भारत चुप रहेगा,
आज वो घरों में डूब-डूबकर पड़े हैं।
जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे,
आज वो मलबे के ढेर में दबे हैं।
ये शोध-प्रतिशोध का खेल नहीं,
ये न्याय का नया स्वरूप है।
ये ऑपरेशन सिंदूर है, ये सिर्फ आक्रोश नहीं है,
ये समर्थ भारत का रौद्ररूप है।
ये भारत का नया स्वरूप है।
पहले घर में घुसकर किया था वार,
अब सीधा सीने पर किया प्रहार है।
आतंक का फन कुचलने की यही नीति है,
यही रीति है,
यही भारत है,
नया भारत है।

राजस्थान के साथ देश को तोहफे दिए

पीएम मोदी ने रेलवे, सड़क, बिजली, जल और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 26000 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री मोदी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन किया और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया गया।

रेलवे स्टेशनों को बना रहे आधुनिक

पीएम ने कहा, देश जितना पैसा पहले खर्च करता था उससे 6 गुना ज्यादा खर्च कर रहा है। आज भारत में हो रहे इन विकास कार्यों को देखकर दुनिया भी हैरान है। पीएम ने आगे कहा, 70 रूट पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं. माल गाड़ियो के लिए स्पेशल पटरियों पर काम चल रहा है। 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बना रहे हैं. देश की पहली बुलैट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। आधुनिक हो रहे इन रेलवे स्टेशनों को देश ने अमृत भारत स्टेशन का नाम दिया है. आज इनमें से 100 से अधिक अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार हैं।

नर्मदापुरम अमृत स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने की शिरकत

पीएम मोदी की दूरदर्शी सोच से भारतीय रेल को नया स्वरूप मिला: सीएम यादव

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदले दौर में भारत तेजी से बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में भारत को दुनिया का अग्रणी देश बनाने के लिए कई संकल्प लिए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच की बदौलत भारतीय रेल को नया स्वरूप मिला है। देशभर में नई रेलवे लाइन बिछाई जा रही हैं। आजादी के बाद नैरोगेज से ब्रॉड गैज तक आने में रेलवे को 100 साल लग गए। लेकिन पिछले 11 साल में देशभर में हजारों किलोमीटर लंबे ट्रैक को 3 और 4 लेन रेलवे लाइन बनाया गया है। मध्य प्रदेश सरकार ने बीईएमएल को रेल कोच निर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए जमीन उपलब्ध कराई है, अब मध्य प्रदेश में रेल बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के 1275 रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। भारतीय रेल का विकास तेज गति से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बना है। विशाल हिमालय तक हमारी रेल लाइन पहुंच चुकी है। अब मुंबई में पानी के अंदर भी ट्रेन चलेगी। वर्तमान में हमारा देश, मेट्रो से लेकर वंदेभारत तक सभी ट्रेनों के कोच स्वयं विकसित कर रहा है। हमारी विकास यात्रा देखकर अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देश हैरान हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री

राकेश सिंह ने की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, डॉ. सीतासरन शर्मा, विजयपाल सिंह, ठाकुर दास नागवंशी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारतीय सेना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया था। सेना को आधुनिक हथियारों से लैस किया गया। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर उनका धर्म पूछकर गोलियां चलाईं। यह एक तरह से भारत में साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश थी, लेकिन आतंकियों के मंसूबे नाकाम हो गए। पाकिस्तान के चीनी हथियार सीमा पर ही मार गिराए गए। आतंकियों के ठिकाने मिट्टी में मिला दिए गए। पूरा भारत एक साथ सैनिकों का मनोबल बढ़ा रहा है। यह नए भारत की ताकत है।

पचमढ़ी में पर्यटकों के लिए सुविधा का विकास किया जा रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में नर्मदापुरम, बुधनी, इटारसी, सोहागपुर एक महानगर का आकार लेगा। हमारी सरकार ने नर्मदापुरम जिले में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराई। यहां सोलर उपकरण निर्माण की यूनिट स्थापित होंगी। राज्य सरकार उद्योग स्थापित करने के साथ विरासत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है। हम पचमढ़ी को भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करेंगे। नर्मदापुरम में उद्योगपति आएंगे तो पर्यटन भी बढ़ेगा। पचमढ़ी में पर्यटकों के लिए सुविधा का विकास किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने किसानों के लिए अनेक सुविधाएं दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में 55 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती हो रही है। राज्य सरकार ने किसानों के लिए अनेक सुविधाएं दी हैं। प्रदेश में सिंचाई रकबा बढ़ाने के लिए तीन अलग-अलग नदी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। नरसिंहपुर में 26, 27 और 28 मई को कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है। यहां किसानों को नवीन कृषि तकनीक और एग्री बेस्ड इंडस्ट्री का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश में अन्य उद्योगों के साथ-साथ कृषि आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि फसलें बर्बाद न हो और किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम मिले। नारी सशक्तीकरण मिशन के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस क्रम 31 मई को अहिल्या माता की 300वीं जयंती के अवसर पर भोपाल में महिला सशक्तीकरण का विशाल सम्मेलन आयोजित किया जा रहा

सांध्यप्रकाश विशेष

रोहित शर्मा को लेकर बड़ा खुलासा! 5 सालों से दर्द में खेल रहे, अब होगा ऑपरेशन

नई दिल्ली। रोहित शर्मा भले ही ज्यादातर समय मैदान पर मस्ती करते नजर आते हों, लेकिन पिछले कई सालों से वो एक गंभीर चोट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित को करीब 5 साल से हैमस्ट्रिंग की दिक्कत है, जिसकी वजह से उन्हें कई मैचों से बाहर रहना पड़ा है और इसका असर फिटनेस पर भी पड़ा है। अब जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, तो उनके पास इस चोट से पूरी तरह उबरने का मौका है। आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद वो इस सर्जरी को कराएंगे। संभावना जताई जा रही है कि 2027 वर्ल्डकप में पूरी फिटनेस के साथ रोहित शर्मा उतर सकते

हैं। रोहित भारतीय टीम के बड़े खिलाड़ी हैं ऐसे में उनका फिट होना टीम के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित शर्मा सर्जरी की जरूरत को लंबे समय से टालते आ रहे थे। इसकी सबसे बड़ी वजह थी उनकी कप्तानी और लगातार बड़े टूर्नामेंट्स में व्यस्त थे। लेकिन अब जब वो टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं और अगले कुछ महीनों तक भारत को कोई बड़ी वनडे सीरीज नहीं खेलनी है, तो यह समय उनके लिए सर्जरी और रिकवरी के लिहाज से एकदम सही है। सूत्रों के मुताबिक, यह सर्जरी उन्हें जून-जुलाई के बीच करानी पड़ सकती है। पिछली बार 2016 में जब उन्होंने क्राड्स टेंडन की सर्जरी कराई थी, तब उन्हें वापसी में करीब 3 महीने लगे थे। हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद भी उन्हें 3 से 4 महीने तक का रिहैब टाइम लग सकता है। इस समय का बेहतर इस्तेमाल करके वो 2026 से एक बार फिर फुल फिट होकर मैदान में वापसी कर सकते हैं।

अमेरिका में यहूदी म्यूजियम के बाहर हमला इस्त्राइली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में स्थित यहूदी संग्रहालय के पास हुई गोलीबारी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब म्यूजियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था, जिसे अमेरिकी यहूदी समिति द्वारा आयोजित किया गया था। इस हमले की जांच एफबीआई की ज्वॉइंट टेररिज्म टास्कफोर्स कर रही

है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे यहूदियों को निशाना बनाने वाली एक आतंकी कार्रवाई करार दिया है। दूतावास के एक प्रवक्ता ने बताया कि इजरायल के राजदूत घटना के समय वहां मौजूद भी नहीं थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की मंत्री क्रिस्टी नोएम ने बताया कि वॉशिंगटन डीसी में यहूदी म्यूजियम के पास इजराइल के दूतावास के दो कर्मचारी मारे गए हैं। हम इस घटना की जांच तेजी से कर रहे है, और जैसे ही और जानकारी मिलेगी, हम उसे आप लोगों को बताएंगे। पीड़ितों के परिवार के लिए प्रार्थना करें। हम दोषियों को कानून के सामने जरूर लाएंगे। घटना के लेकर एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बताया कि मुझे और मेरी टीम को वॉशिंगटन में यहूदी म्यूजियम के बाहर हुई गोलीबारी की खबर मिली है।

1.5 करोड़ का इनामी नक्सली बसवराजू मारा गया: शाह

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1.5 करोड़ के इनामी समेत 27 नक्सलियों के ढेर किए जाने पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि 3 दशक में ऐसा पहली बार हुआ है जब नक्सलियों का इतना बड़ा नेता मारा गया है। गृहमंत्री

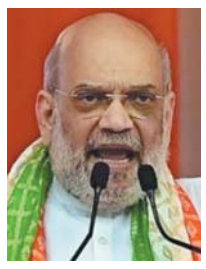

ने कहा कि नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू नक्सल आंदोलन की रीढ़ की हड्डी था। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने बुधवार को मुठभेड़ में 27 नक्सलियों को मार गिराया है, जिनमें बड़ा नक्सली नेता बसवराजू भी शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन को नक्सलवाद को खत्म करने की जंग में यह एक बड़ी सफलता बताया। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में यह ऐतिहासिक सफलता - गृह मंत्री ने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में यह एक ऐतिहासिक सफलता है। आज छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षाबलों ने 27 खतरनाक माओवादियों को मार गिराया, जिनमें सीपीआई-मोआवादी का सबसे बड़ा नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ की हड्डी नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल है। शाह ने आगे कहा, नक्सलवाद के खिलाफ तीन दशक की लड़ाई में यह पहली बार है जब महासचिव स्तर का नेता सुरक्षाबलों के हाथों मारा गया है। मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे सुरक्षाबलों और एजेंसियों को बधाई देता हूं।

ट्रंप के दावे की जयशंकर ने खोली पोल, भारत और पाक ने ही किया सीजफायर

एम्सटर्डम। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान ने सीधे बात कर सीजफायर पर सहमति बनाई है। साथ ही उन्होंने कहा कि कई और देश हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से

संपर्क साध रहे थे। खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने सीजफायर कराया है। नीदरलैंड्स में एक टीवी इंटरव्यू के दौरान जयशंकर ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत ने अमेरिका समेत हर देश से कहा था कि अगर पाकिस्तान सीजफायर चाहता है, तो उसे भारत से सीधे बात करनी होगी। उन्होंने कहा, हां हॉटलाइन के तौर पर एक दूसरे से बात करने की व्यवस्था है। 10 मई को पाकिस्तान की सेना ने संदेश भेजा कि वे गोलीबारी रोकने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मुझसे बात की। वो पाकिस्तानियों से भी बात कर रहे थे। अमेरिका अकेला नहीं था। कई और देश भी टच में थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान (बीकानेर) से देशभर में 103 अमृत स्टेशनों वर्चुअली उद्घाटन किया। पुनर्विकसित कटनी साउथ रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कार्यक्रम में शामिल होकर सम्बोधित किया। इस दौरान पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक, पूर्व मंत्री अलका जैन, जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, विधायक संदीप जायसवाल, धीरेंद्र बहादुर सिंह, महापौर प्रीति सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, पूर्व विधायक के पी त्रिपाठी उपस्थित रहे।

संजय झा ने पाक को किया बेनकाब, ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के साथ आया जापान

नई दिल्ली। जापान की राजधानी टोक्यो में भारतीय सांसदों केसर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान भारत के दृढ़ और स्पष्ट रुख को दोहराया गया कि आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है और इसे जड़ से समाप्त किया जाना चाहिए।

जापानी मंत्री ने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का न केवल समर्थन किया बल्कि हालिया पहलगाम आतंकी हमले पर गहरा शोक भी व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने कहा, हमने भारत का पक्ष बहुत दृढ़ता से रखा।

मुकेश अंबानी का आम साम्राज्य, दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक, अमेरिका करता है सबसे ज्यादा खरीद

मुंबई। मुकेश अंबानी का नाम तेल, टेलीकॉम और रिटेल के लिए मशहूर है, लेकिन उनका एक और कारोबार ग्लोबल मार्केट में धूम मचा रहा है। जामनगर का उनका विशाल बाग मैंगो निर्यात में दुनिया में सबसे आगे है। अंबानी परिवार का नाम सुनते ही तेल, जियो और रिटेल की तस्वीर मन में आने लगती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वो दुनिया के सबसे बड़े मैंगो निर्यातक भी हैं? रिलायंस का जामनगर में 600 एकड़ का बाग, जिसे धीरूभाई अंबानी लखीबाग अमराई कहते हैं, हर साल 600 टन मैंगो पैदा करता है। इसमें 200 से ज्यादा किस्में हैं, जैसे केसर, अल्फांसो और विदेशी टॉमी एटकिन्स। अमेरिका इसका सबसे बड़ा खरीदार है।

1997 में प्रदूषण कम करने के लिए शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट आज ग्लोबल मार्केट में छाया हुआ है। आइए, इस अनोखी कहानी को जानते हैं।

कैसे बना दुनिया का नंबर वन निर्यातक?- लखीबाग अमराई में 200 से ज्यादा वैरायटी के मैंगो उगाए जाते हैं, जिनमें देसी किस्में जैसे केसर, रत्ना, बंगनपल्ली और विदेशी वैरायटी जैसे केंट, माया, टॉमी एटकिन्स शामिल हैं। बाग में ड्रिप इरिगेशन, डिसेलिनेशन प्लांट और स्मार्ट खेती तकनीकों का इस्तेमाल होता है, जिससे 600 टन फल हर साल पैदा होता है। ये मैंगो अमेरिका, यूरोप, मिडिल ईस्ट और जापान जैसे देशों में निर्यात होते हैं, जिसमें अमेरिका 60त से ज्यादा खरीदता है। रिलायंस ने सख्त क्वालिटी स्टैंडर्ड्स और इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन जैसे यूएसडीए और ग्लोबल गैप हासिल किए हैं, जिससे ये फल प्रीमियम मार्केट में बिकते हैं। कंपनी ने लॉजिस्टिक्स और कोल्ड स्टोरेज में भी भारी निवेश किया है ताकि मैंगो ताजा रहें।

जामनगर बाग की शुरुआत की

1997 में रिलायंस ने जामनगर में दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी शुरू की थी, लेकिन इसे प्रदूषण की वजह से सख्त पर्यावरण नियमों का सामना करना पड़ा। सरकार ने कंपनी को आसपास की बंजर जमीन को हरा-भरा करने का आदेश दिया। इसके जवाब में रिलायंस ने 600 एकड़ में 1.3 लाख पेड़ लगाए, जिसमें मैंगो के पेड़ मुख्य थे। इस बाग को धीरूभाई अंबानी लखीबाग अमराई नाम दिया गया, जो मुगल बादशाह अकबर के लखीबाग से प्रेरित है। शुरुआत में इसका मकसद सिर्फ पर्यावरण संरक्षण था, लेकिन धीरे-धीरे यह बाग उच्च क्वालिटी के फल पैदा करने का ग्लोबल हब बन गया। आज यह बाग न सिर्फ रिलायंस की ब्रांड वैल्यू बढ़ाता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को रोजगार भी देता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में नेहरू नगर चौराहे से निकाली बाईक तिरंगा यात्रा

माता शबरी मंडल की तिरंगा यात्रा में शामिल रहे विधायक सबनानी

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों के सम्मान में कालीघाट काली मंदिर तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा कसाईपुरा, इतवारा चौराहा, जैन मंदिर रोड, गणपति चौक मंगलवारा से शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्केट पहुंची जहां समापन हुआ।

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा बाईक यात्रा का आयोजन दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के माता शबरी मंडल द्वारा किया गया।

तिरंगा यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी खुली जीप पर सवार होकर हाथों में तिरंगा लिए जय हिंद जय हिंद की सेना का जय घोष लगाते हुए विभिन्न मार्गो से निकले। बड़ी संख्या में माता शबरी मंडल के भाजपा कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हुए, और भारत माता की जय, जय हिंद की सेना का उद्घोष करते हुए भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा के साथ राहगीर भी जुड़ते चले गए, यात्रा का कई जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। माता शबरी मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया ने बताया कि भारतीय सेना के सम्मान और आदरणीय प्रधानमंत्री का आभार वक्त व्यक्त करने के लिए विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, यात्रा की शुरुआत नेहरू नगर चौराहे से मधुरम चौराहा पुलिस ग्राउंड भदभदा चौराहा सूरज नगर चौराहा साक्षी ढाबा बरखेड़ी बिशन खेड़ी वीलखेड़ा गोरेगांव से होकर सूरज नगर नागेश्वर मंदिर पर यात्रा का समापन हुआ, नागेश्वर मंदिर पर भारत माता की जय, जय हिंद की सेना के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता लीलेंद्र मारण पूर्व पार्षद लक्ष्मी गोरेवर रामू गजभिए आशुतोष तिवारी सत्येंद्र नेगी राजेंद्र राठौड़ मुन्ना पुरी पंकज त्रिपाठी वीरेंद्र साहू संतोष गुप्ता पुष्पराज सिंह बघेल सुषमा मिश्रा रंजीत पटेल कमलेश बडगैया आशीष सीमोर सहित बड़ी संख्या में माता शबरी मंडल के भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निगम अमले ने हटाया अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत नाली पर अवैध रूप से बनाया गया लोहे का पुल, चबूतरे, चार पहिया वाहन, नाली पर रखी फर्सियां, आईसक्रीम गाड़ी, ठेले, गुमठी व अन्य प्रकार का सामान हटाया और लोहे का पुल, ठेले, बैंच, इलेक्ट्रिक कांटे आदि सामान किया जप्त। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को करोद पलासी कैलाश नगर, हरी मजार, अशोका गार्डन, सोनिया कालोनी, एम.पी.नगर जोन-01, कान्हा टावर, पारस सिटी, गुफा मंदिर रोड, ईदगाह हिल्स नीलकंठ कालोनी, हमीदिया अस्पताल गेट नं. 02, शाहजहांनाबाद, 11 मील, लिंक रोड नंबर 01, 02 तथा 03, अवधपुरी, पूर्वांचल कालोनी, आनंद नगर हथाईखेड़ा, नेहरू नगर, भदभदा रोड, पंचशील नगर, मनीषा मार्केट, कटारा हिल्स, अमलतास कालोनी, होशंगाबाद रोड, इंडस टाउन आदि सहित अन्य क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए पंचशील नगर में नाली पर अवैध रूप से बनाये गये लोहे के पुल को काटकर सामग्री को जप्त भी किया।

मनुष्य जीवन की सार्थकता - मानवता की खोज

जीव, जंतु, पशु आदि अपने आप में सन्तुष्ट है ! जी रहे खा रहे घूम रहे सो रहे बच्चे पैदा कर रहे मर रहे ! उन्हें जीवन क्या है, क्यो है ? इन सबसे कोई मतलब नही ! सब जी रहे ! अगर हम मनुष्य होकर उन्ही के जैसे ही व्यवहार कर रहे तो मनुष्य होना व्यर्थ हो गया ! हम जो भी कर रहे यही समाप्त हो रहा है ! जो भी कर रहे उससे मनुष्य जीवन की सार्थकता नही दिख रही ! हमारे सोच विचार कर्म आदि से मनुष्य जीवन की उत्कृष्टता, महत्ता सार्थकता आदि दिखनी चाहिए ! तब ही हम मनुष्य कहलायेंगे ! सिर्फ मानव रूप में जन्म लेना ही पर्याप्त नही है ! मानवता भी होनी चाहिए और यह मानवता हम अपने विवेक से ,आचार-विचार से , प्रेम क्षमा, सहयोग आदि से कमा सकते हैं।

जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

भोपाल। सोसायटी फॉर जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति, अपोलो सेज हास्पिटल एवं स्थानीय पार्षद योगेन्द्र गुड्डू चौहान के सहयोग से रविवार 25 मई को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर रही है। समिति द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पांच नंबर बस स्टॉप शिवाजी नगर स्थित पंडित शीतल प्रसाद तिवारी वाचनालय परिसर में आयोजित इस शिविर में पत्रकार साथियों, उनके परिजनों और स्थानीय रहवासियों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ कुछ नियमित जांचें एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श की व्यवस्था की गई है। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक रखा गया है। सभी पत्रकार साथियों से अनुरोध है सपरिवार शिविर आयोजन का लाभ प्राप्त करें।

भोपाल साइक्लोथॉन ने मध्य प्रदेश में गति प्रबंधन और सड़क सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया

भोपाल। सड़क सुरक्षा के समर्थन में एक मजबूत सार्वजनिक भागीदारी के तहत, रोड सेफ्टी नेटवर्क ने कंज्यूमर वॉयस और नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह 2025 के अंतर्गत भोपाल में एक साइक्लोथॉन का आयोजन किया। पैदल चलने और साइकिल चलाने को सुरक्षित बनाएं विषय के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं, विशेष रूप से स्पीडिंग के कारण हो रही घटनाओं पर ध्यान आकर्षित करना और संवेदनशील सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए तत्काल नीति कदमों की मांग करना था।रैली एनसीएचएसई परिसर, अरेरा कॉलोनी से शुरू होकर बिट्टन मार्केट के राजीव चौक, लिंक रोड नं. 3, कोलार ट्राई जंक्शन, बंसल अस्पताल और मनीषा मार्केट होते हुए पुनः एनसीएचएसई पर समाप्त हुई। भोपाल बाइसिकल राइडर ग्रुप, रायडर्स ग्रुप मंडीदीप, लायंस ऑफ भोपाल, हेल्प बॉक्स फाउंडेशन, भोपालीज़ फिटनेस कम्युनिटी और अन्य नागरिक संगठनों के 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा संदेशों वाले पोस्टर लेकर चले। 50 से अधिक नागरिकों ने समानांतर रोड वॉक में हिस्सा लेकर इस उद्देश्य को और बल दिया।

रानी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जन शदाब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली शोभायात्रा

भोपाल। प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा की उपस्थिति में रानी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जन शदाब्दी वर्ष के उपलक्ष में कैंपियन स्कूल से शैतान सिंह चौराहा तक शोभा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह,महापौर मालती राय, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा वंदना जाचक, वरिष्ठ भाजपा नेता शैतान सिंह पाल, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सुषमा चौहान, प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा, पूर्व जिला अध्यक्ष विकास विरानी, पूर्व निगम अध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान जनप्रतिनिधि गण एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

रेल संस्थान चुनाव में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ को ऐतिहासिक जीत

भोपाल। रेल संस्थान (इंस्टीट्यूट) के केंद्रीय चुनाव में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 14 में से 13 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की। यह संघ के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। संघ के घोषित प्रत्याशियों ने भारी मतों से अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। खास बात यह रही कि इस बार पहली बार महिला प्रत्याशी ने भी जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। इससे न केवल संगठन की शक्ति का प्रदर्शन हुआ, बल्कि महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को भी मान्यता मिली। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी डी. पी. सिंह ने बताया कि इस चुनाव में नितिन सिंह (कोषाध्यक्ष पद) सहित, अमृता सैनी पवन सिंह मनोज कुमार पांडे लक्ष्मण शाक्य समीर मनोज राय एवं पंकज ने निर्णायक जीत हासिल की। चुनाव चिह्न ÷गाय÷ को जनता का भरपूर समर्थन मिला और वोटरों ने एकजुट होकर संघ के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाया। डीप सिंह ने कहा कि रेल संस्थान के चुनाव में है जीत वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के कुशल नेतृत्व में संगठन की एकजुटता, मेहनत और रेल कर्मचारियों के बीच उनकी विश्वसनीयता का प्रतीक है।

महापौर मालती राय ने कैंसर चिकित्सालय में मरीजों के परिजनों के लिए निशुल्क भोजन वितरण सेवा कर जन्म दिवस मनाया

भोपाल। शहर की प्रथम नागरिक और महापौर मालती राय ने अपने जन्म दिवस पर जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय में संचालित सेवा भारती माँ अन्नपूर्णा भोजन सेवा केंद्र में 7 वर्षों से निरंतर जारी कैंसर पीड़ित मरीज एवं उनके परिजनों हेतु निशुल्क भोजन वितरित किया तत्पश्चात सेवा भारती नानक मंडल के अध्यक्ष अमित जैन तड़ैया सचिव चेतन पटेल और प्रभारी मुकेश शर्मा ने महापौर मालती राय का स्वागत कर सेवा भारती नानक मंडल के विभिन्न प्रकल्पों के उद्देश्य को बताया सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि संस्था को नाम मात्र के शुल्क देकर शहर वासी अपना जन्म दिवस, वैवाहिक वर्षगांठ ओर प्रियजनो की स्मृति और मंगल प्रसंग पर हर्षोल्लास के साथ इस सेवा में सहयोग करते हैं इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सरोज हरिओम आसेरी, जोन अध्यक्ष बृजला सचान,पार्षद प्रियंका अनिल मिश्रा,नवनीत अग्रवाल, मनोज सोनी, अजय अग्रवाल लाला, सुदामा शर्मा, दुर्वेश मालवीय, सत्येंद्र अग्रवाल, अशोक सांकले, मनोज शर्मा, तृप्ती अग्रवाल, विजय गुप्ता, रोहन जैन, कन्हैयालाल भारती, दिनेश पंवार,आदि उपस्थित थे।

पंजाबी समाज भोपाल के चुनाव में संजीव सचदेवा निर्विरोध अध्यक्ष

भोपाल। 1992 में स्थापित पंजाबी समाज भोपाल के सर्वसम्मति से संजीव सचदेवा को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया संजीव सचदेवा ने कहा कि पंजाबी समाज भोपाल के द्वारा वर्ष भर में जो कार्यक्रम किए जाते हैं उसके अतिरिक्त नए कार्यक्रमों को भी शुरू किया जाएगा पंजाबी समाज भोपाल द्वारा सतत समाज सेवा के कार्यक्रम बुजुर्गों का सम्मान सेवा निशुल्क भोजन वितरण आदि किया जाता है संजीव सचदेवा ने बताया कि पंजाबी समाज के भवन के लिए भी जमीन का आवंटन हो गया है जिस पर शीघ्र भवन निर्माण भी किया जाएगा उन्होंने अध्यक्ष पद का दायित्व सौंप जाने पर सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एलएनसीटी ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिता हुई

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय द्वारा एलएनसीटी कैंपस रायसेन रोड भोपाल में अयोजित की जा रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सिक्स ए साइड क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता 2024-25 का उद्घाटन डॉ. अशोक राय डायरेक्टर डीन एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी, पंकज जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी ग्रुप द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। दूधिया रोशनी में प्रतियोगिता का पहला मुकाबला डॉ. के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी निवाई और यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोटा के बीच खेला गया। जिसमें डॉ. के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी की टीम ने 98 रनो से जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी डॉ. के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी की टीम ने मनीष 75, योगेश्वर 34, एवी चौधरी 33 के रनो की बदौलत निर्धारित 10 ओवर में 03 विकेट के नुकसान पर 157 रनो का लक्ष्य रखा। जवाब मे यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोटा की टीम 5.1 ओवरो मे मात्र 59 रनो पर ऑल आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच का खिताब डॉ. के.एन. मोदी यूनिवर्सिटी के मनीष को दिया गया। प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में पेसिफिक यूनिवर्सिटी ने माधव यूनिवर्सिटी को 152 रनो से हराकर शानदार जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पेसिफिक यूनिवर्सिटी की टीम ने प्रशांत यादव 110 एंव विवेक के 22 रनों की बदौलत निर्धारित 10 ओवरो में 02 विकेट के नुकसान पर 172 रनो का विशाल लक्ष्य खड़ा किया।

नगर निगम के विशेष सफाई अभियान में चमकाए जा रहे चौराहे और सड़कें

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम भोपाल द्वारा राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में बुधवार से विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। आगामी शुक्रवार 30 मई 2025 तक चलने वाले अभियान के प्रथम दिन समस्त 85 वार्डों में प्रातःकालीन पाली में प्रमुख मार्गों, चौराहों, डिवाइडर्स व व्यवसायिक क्षेत्रों की विशेष साफ सफाई कराई गई और प्रत्येक घर से कचरा संग्रहित करने के साथ ही सफाई कार्य के दौरान निकले कचरे को भी निर्धारित समयानुसार उठवाने का कार्य किया गया जबकि सांयकालीन द्वितीय पाली में सभी वार्ड क्षेत्रों में स्थित जोन/वार्ड कार्यालयों के अलावा वार्ड में स्थापित प्रतिमाओं एवं उनके आसपास के क्षेत्रों तथा वार्ड के 01 चयनित क्षेत्र की सघन साफ-सफाई भी की गई। निगम अमले ने साफ-सफाई कार्य के साथ ही स्थानीय नागरिकों से भी संपर्क किया और विशेष सफाई अभियान की जानकारी देते हुए अभियान मे सहभागिता दर्ज कराने का आव्हान भी किया। निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभियान के दौरान किये जा रहे कार्यों का अवलोकन भी किया और आवश्यक दिशा निर्देश भी निगम अमले को दिए। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशों के परिपालन में राजधानी भोपाल में विशेष सफाई अभियान बुधवार से प्रारंभ किया गया। अभियान के लिए निगम प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार सभी वार्डों में प्रथम पाली में प्रातः 07:00 बजे से 11:00 बजे तक प्रत्येक वार्ड के प्रमुख मार्गों, चौराहों, सेन्ट्रल वर्ज/डिवाइडर्स एवं व्यवसायिक क्षेत्र की सघन साफ-सफाई की गई और वार्ड के प्रत्येक घर से कचरा संग्रहण सुनिश्चित करते हुए सफाई कार्य के दौरान निकले कचरे की ढेरियों को भी निर्धारित समयानुसार उठवाया गया और अनेक स्थानों पर चूने की लाईनें व रंगोली भी बनाई गई। निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने अपरान्ह की पाली में दोपहर 02:00 से सांय 06:00 बजे तक प्रत्येक वार्ड के एक चयनित क्षेत्र के साथ ही जिन वार्डों में महापुरूषों आदि की प्रतिमाएं स्थापित हैं उन प्रतिमाओं एवं आसपास के स्थानों/चौराहों की विशेष साफ-सफाई की गई और जोन एवं वार्ड कार्यालयों में भी विशेष साफ-सफाई कार्य कराया गया।

क्या आपको पीसीओएस है? विशेषज्ञों ने बताये नाश्ते के आसान और सेहतमंद आइडिया

भोपाल। भारत समेत दुनियाभर की महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओव्हरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पीसीओएस के कारण हॉर्मोन में असंतुलन होता है, जिससे पूरी सेहत, मेटाबोलिज़्म और वजन पर असर पड़ता है। ऐसे में जीवनशैली में बदलाव के साथ-साथ खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रोज़ाना के नाश्ते में बादाम जैसे मेवों को शामिल करना इस दिशा में एक असरदार कदम हो सकता है। बादाम शरीर को दिनभर स्थिर ऊर्जा देते हैं और पीसीओएस डाइट को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।इस विषय पर जानकारी साझा करते हुए मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में डायटीटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दार बताती हैं कि पीसीओएस से जूझ रही महिलाओं के लिए ऐसे नाश्ते के विकल्प जरूरी हैं जो न केवल आसान और पौष्टिक हों, बल्कि व्यस्त सुबह के लिए भी उपयुक्त हों। उनका मानना है कि आहार में पौष्टिकता और स्वाद का संतुलन होना चाहिए। ऋतिका के अनुसार, साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां और बादाम जैसे तत्व हार्मोन संतुलन बनाए रखने, वजन नियंत्रित करने और समग्र स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होते हैं।

ऋतिका समद्दार ने कुछ ऐसे पौष्टिक और सुविधाजनक नाश्तों के सुझाव दिए हैं, जिन्हें अपनी पसंद और ज़रूरत के मुताबिक आसानी से बदला भी जा सकता है। आलमंड एण्ड ओट मिल्क ब्रेकफास्ट स्मूदी-यह एक ऐसा हेल्दी ड्रिंक है, जो बादाम और ओट्स के पोषण से भरपूर मिश्रण से तैयार होता है। इसमें 15 से भी अधिक जरूरी पोषक तत्व होते हैं और यह जरूरी वसा, प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। सुबह के समय इसे पीने से न केवल ब्लड शुगर संतुलित रहता है, बल्कि पूरे दिन शरीर को लगातार ऊर्जा भी मिलती रहती है। इसमें एक चम्मच बीजों का पाउडर मिलाने से इसका पोषण और बढ़ जाता है। दूध की जगह बादाम के दूध का इस्तेमाल इस स्मूदी को हल्का बनाता है और यह वजन नियंत्रण तथा इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। यह शरीर को दिनभर के लिए ताकत देने वाला एक सरल और पौष्टिक नाश्ता हो सकता है।

शीतल दास की बगिया बनी लव जिहाद का अड्डा

मंदिर परिसर में हो रही अश्लील हरकतों पर जागृत हिन्दू मंच ने भोपाल सांसद को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का ऐतिहासिक धार्मिक स्थल शीतल दास की बगिया एक बार फिर सुर्खियों में है। कमला पार्क के सामने स्थित यह घाट, जहां श्रद्धालु दीपदान और पिंडदान जैसे धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, यह जगह अब 'लव जिहाद' और अश्लील गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। जागृत हिंदू मंच के सुरक्षक एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ दुर्गेश केसवानी एवं प्रदेश संयोजक अधिवक्ता सुनील कुमार जैन की अगुवाई में संगठन ने इस गंभीर मामले पर भोपाल के सांसद आलोक शर्मा को ज्ञापन सौंपा। मंच का आरोप है कि यह घाट अब युवाओं के लिए पिकनिक स्पॉट बन चुका है, जहां दिनदहाड़े मंदिर परिसर में अश्लील हरकतें, मदिरा सेवन, और लव जिहाद जैसे गंभीर कृत्य हो रहे हैं। वहीं यह भी बताया गया की घाट पर अवैध रूप से 10 से ज्यादा नावों का संचालन हो रहा है। मंदिर परिसर में नाबालिग लड़के-लड़कियों की संदिग्ध गतिविधियां होती रहती है। वहीं मुस्लिम युवक, हिंदू नाम रखकर हिंदू युवतियों को प्रेम जाल में फंसा रहे हैं। मंदिर के पीछे गुटखा, सिगरेट, शराब का खुलेआम सेवन और गंदगी फैलाई जा रही है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि यदि घाट पर लोहे की जाली लगाकर फेंसिंग कर दी जाए, तो अवैध नाव संचालन, वोटिंग, और अपसंस्कृति को रोका जा सकता है। साथ ही, धार्मिक स्थल की पवित्रता और सुरक्षा भी बनी रहेगी। बड़े तालाब में डूबने की घटनाएं, यौन अपराध, और सांप्रदायिक तनाव जैसी आशंकाएं भी इस कार्रवाई से काफी हद तक समाप्त की जा सकती हैं। जैन ने प्रशासन से अपील की कि इस पवित्र स्थल को पिकनिक स्पॉट बनने से रोका जाए और स्थायी पुलिस व्यवस्था लागू की जाए। जागृत हिंदू मंच के संयोजक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने शीतल दास की बगिया में हो रही आपत्तिजनक गतिविधियों और लव जिहाद के बढ़ते खतरे को लेकर प्रशासन से तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहाभोपाल जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से समृद्ध शहर में स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल शीतल दास की बगिया की पवित्रता पर हमला बर्दाश्त के बाहर है। यहां मंदिरों की ओट में अश्लील कृत्य, अवैध वोटिंग, नावों के जरिए गंदगी और बाहरी तत्वों की घुसपैठ यह सब हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक मर्यादा का खुला उल्लंघन है। उन्होंने कहा, मैं प्रशासन से मांग करता हूं कि तत्काल प्रभाव से घाट को लोहे की जाली से बंद किया जाए, नाव संचालन पूरी तरह रोका जाए और पुलिस बल की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो हम बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने आगे कहा, धार्मिक स्थलों को लव जिहाद और अपराध का अड्डा बनने देना न केवल सामाजिक अपराध है, बल्कि यह हिंदू समाज की आत्मा को चोट पहुंचाने जैसा है। अब समय आ गया है कि शासन-प्रशासन संवेदनशीलता दिखाए और धर्मस्थलों की गरिमा की रक्षा करे।

आलोक शर्मा ने दिया समर्थन

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने जागृत हिंदू मंच को आश्वासन दिया कि इस विषय पर प्रशासन के साथ बैठक कर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान भोपाल की महापौर मालती राय भी मंच के प्रतिनिधिमंडल के साथ उपस्थित थीं और उन्होंने भी समर्थन जताया।

पहले भी की गई थी शिकायत

ज्ञात हो कि यह मामला एक दिन का नहीं है। पूर्व में भी अधिवक्ता सुनील जैन के नेतृत्व में मंच का प्रतिनिधिमंडल नगर निगम कमिश्नर एवं पुलिस कमिश्नर से मिलकर कार्रवाई की मांग कर चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रतिनिधि मंडल में जागृत हिंदू मंच के संरक्षक एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ दुर्गेश केसवानी,संयोजक सुनील कुमार जैन एडवोकेट के साथ मंच के अन्य पदाधिकारी जिसमें पंडित केपी शर्मा पंडित विपिन त्रिपाठी, पंडित सर्वेश शुक्ला, पंडित पवन शर्मा, राजा भैया सेन ने भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

जलीय जीवों का भी हो विशेष प्रबंधन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बैतूल जिले में ताप्ती और बालाघाट जिले का सोनेवानी बनेगा कंजर्वेशन रिजर्व

मध्यप्रदेश को बनायें वन्यप्राणियों के लिए आदर्श स्थली

वन्य प्राणियों के पुनर्वास और जैव विविधता संरक्षण पर विशेष जोर

मप्र राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में दो कंजर्वेशन रिजर्व की स्थापना को दी मंजूरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि थलीय जीवों की तरह जलीय जीवों के संरक्षण और उनके प्रबंधन के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं और आवश्यकता हो, तो इस कार्य के लिए पृथक अधिकारी नियुक्त किया जाए। यह अधिकारी जलीय जीवों की गिनती करें और उनका प्रबंधन भी करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 29 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य एवं बैतूल विधायक श्री हेमन्त खंडेलवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री असीम श्रीवास्तव, वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य सर्वश्री मोहन नागर, डॉ. नारायण व्यास, डॉ. सुदेश बाघमारे, डॉ. रविचंद्रन सहित अन्य सदस्यगण भी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री एवं राज्य वन्य प्राणी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. यादव ने बोर्ड के दो बड़े प्रस्तावों को सर्व सहमति से पारित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले में ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व के गठन को मंजूरी दी। इसके तहत बैतूल जिले के अंतर्गत दक्षिण बैतूल सामान्य वन मंडल के ताप्ती परिक्षेत्र का 84.006 वर्ग किमी, पश्चिम बैतूल सामान्य वन मंडल के चिचौली परिक्षेत्र का 65.205 वर्ग किमी, एवं तावड़ी परिक्षेत्र का 100.789 वर्ग किमी क्षेत्र, यानि कुल 250.00 वर्ग किमी वन क्षेत्र में ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व का गठन किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के सोनेवानी वन क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अंतर्गत बालाघाट जिले में 163.195 वर्ग किमी सोनेवानी आरक्षित वन क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर नए कंजर्वेशन रिजर्व के गठन को मंजूरी दी गई। दोनों की अधिसूचना भी जल्द ही जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में सीधी जिले के मुर्दाडीह-तरिहा से सोनतीर पटेहरा पहुंचमार्ग में सोननदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, रीवा को वन्य जीव अनुमति दी। इसी प्रकार बफर जोन वन मंडल, कान्हा टाइगर रिजर्व, मण्डला के अंतर्गत ग्राम धमनगांव तहसील-बिछिया में वन कक्ष क्रमांक 324 में कुल 0.95 हेक्टेयर वनभूमि पर एक अस्थायी पुलिस कंप की स्थापना के लिए एसपी मण्डला को वन्य जीव अनुमति दी गई। मुख्यमंत्री ने बोर्ड द्वारा प्रस्तावित अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा प्रदेश को सभी वन्य प्राणियों के लिए एक आदर्श स्थली के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि जैव विविधिता के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार से भी तकनीकी मार्गदर्शन एवं मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की समृद्ध वन्य संपदा की रक्षा और संवर्धन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने केंद्र सरकार से मार्गदर्शन लेकर वन्य जीवों की आगामी पुनर्वास/पुनर्स्थापन योजनाओं को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि प्रदेश के रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों की आमद और इनके उन्मुक्त आवागमन/आचरण पर अंकुश लगाएं। नई तकनीकों का इस्तेमाल करें जिनसे हाथियों की रिहायशी इलाकों तक पहुंच को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार व्यवस्थाएं कर जंगली हाथियों का स्थायी प्रबंधन करें ताकि इन्हें आबादी क्षेत्र से दूर रखा जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के चिड़िया घर में नभचर और थलचर प्राणियों का जिस तरह से प्रबंधन किया गया है वैसा ही सद्प्रयास भोपाल में भी किया जाएं। यहां वन विहार में जलीय प्राणियों सहित नए वन्य प्राणियों को बसाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलीय जीवों में मगरमच्छ को नर्मदा में बसाया जाए। घड़ियालों की संख्या भी बढ़ाई जाए। बताया गया कि पन्ना नेशनल

पार्क में घड़ियाल छोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गिद्धों और चीलों के संवर्धन के भी निर्देश दिए। बताया गया कि वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही वन्य जीव अभ्यारण्य) में अब कुल 20 बाघ हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती विविध वन्य प्राणियों का अपना घर है और उनका पुनर्वास और संरक्षण केवल राज्य की ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा की रक्षा का कार्य है। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की वन नीति को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्य जीव अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) श्री शुभरंजन सेन ने बताया कि वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्धन में किए जा रहे कार्यों के संबंध में लघु फिल्में तैयार की जा रही हैं। मंगलूर जू कर्नाटक से दो किंग कोबरा लाकर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में रखे गये हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार बोत्सवाना से पांच जिराफ और पांच जेब्रा लेकर आने के लिए भी बोत्सवाना सरकार से चर्चा एवं समन्वय की कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा असम राज्य से वन भैंसा और गेंडा भी मध्यप्रदेश में लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य में नर्मदा नदी एवं अन्य वेट लेण्डस के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पचमढ़ी में जुलाई 2025 में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में जलीय जीवों के संरक्षण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी।बैठक में बताया गया कि माधव टाइगर रिजर्व में विगत 3 अप्रैल 25 को एक नर बाघ सफलतापूर्वक छोड़ा गया। राज्य शासन द्वारा 11 अप्रैल 2025 से 258.64 वर्ग किमी वन क्षेत्र को डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण सागर के रूप में नोटिफाईड किया गया है। गांधी सागर अभयारण्य में विगत 20 अप्रैल को दो चीतों की पुनर्स्थापना की गई है। गत 24-25 अप्रैल 2025 को ही जबलपुर में इंटरनेशनल जू एण्ड वाईल्ड लाईफ हेल्थ कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। साथ ही इसी माह 8 मई को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में किंग कोबरा और कछुओं को उनके अनुकूल वातावरण में विमोचित किया गया।

जल्द पूर्ण किए जाएं सिंहस्थ से संबंधित अधोसंरचना के सभी कार्यः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ 2028 से संबंधित सभी अधोसंरचना के कार्यों को जल्द पूर्ण करना आवश्यक है। प्रत्येक कार्य की समय सीमा निर्धारित कर, गतिविधियां संचालित की जाएं। कार्यालीन प्रक्रियाओं को वर्षाकाल तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें, जिसमें वर्षाकाल के तुरंत बाद निर्माण प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जा सकें। नगर निगम उज्जैन, विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण ऐजेंसियों में यदि तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों की कमी है तो अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लेकर यह कमी दूर की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का रेल से बड़ी संख्या में आवागमन होगा और महाकालेश्वर सहित ओंकारेश्वर तथा मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं के आवागमन के मुख्य केंद्र रहेंगे। अत~ सड़क मार्गों के साथ-साथ रेलवे से बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना आवश्यक है। इससे क्षेत्र में रेल यातायात को सुगम तथा श्रद्धालुओं की यात्रा को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ 2028 की मंत्रि- मण्डलीय समिति की तीसरी बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई इस बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य नागरिका आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ 2028 में स्नान व पेयजल, सीवरेज, आवागमन, श्रद्धालुओं के आवास, कानून व्यवस्था, आवश्यक चिकित्सा सुविधा आदि के लिए की जारी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण, पर्यटन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों और उनकी प्रगति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में कान्ह नदी डायवर्जन, 30 किमी घाट निर्माण, क्षिप्रा नदी में निरंतर जल प्रवाह के लिए सिलार खेड़ी सेवर खेड़ी बांध, क्षिप्रा व कान्ह नदी पर बैराजों के निर्माण की स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की गई।

पीटीआई के वरिष्ठ संवाददाता अनिल दुबे का निधन

भोपाल। भोपाल के प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के संवाददाता अनिल दुबे का निधन हो गया। 56 वर्षीय दुबे को कल शाम अचानक हार्ट अटैक आया था और ब्रेन हेमरेज हो गया था। उन्हें तत्काल भोपाल स्थित बंसल अस्पताल में भर्ती किया गया था लेकिन डॉक्टरों के सारे प्रयास के बावजूद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अनिल दुबे के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिखा है कि उन्होंने हमेशा जनहित के मुद्दों पर पत्रकारिता के मूल्यों को सदैव प्राथमिकता दी।

कार्य में लाएं तेजी, प्रचार-प्रसार पर करें फोकस : राजपूत

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की समीक्षा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने घरों में पाइप लाइन के माध्यम से पी.एन.जी. और सी.एन. जी कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनियों को दिये। मंत्री श्री राजपूत मंत्रालय में प्रदेश के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क कार्य की समीक्षा कर रहे थे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कंपनियों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनी को दिये है। मंत्री श्री राजपूत ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के तहत जिलों में कार्य करने वाली कंपनियों को समझाइश देते हुए कहा कि गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिये पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति लाने का कार्य प्रदेश में होने जा रहा है। सभी कंपनियां इसमें भागीदार है, पर आम-जन के बीच सी.एन.जी. और पी.एन.जी. गैस के लाभ की जानकारी नहीं होने के कारण आम-जन का रुझान इस ओर नहीं बढ़ पा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने कंपनियों को प्रचार-प्रसार में फोकस करने का निर्देश देते हुए कहा कि कंपनियों को विभिन्न प्रकार की परमिशन के लिये सुविधा के लिए सिंगल विंडो प्रणाली विकसित कर दी जायेगी, जिससे किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। समीक्षा बैठक के दौरान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में कार्य कर रही कंपनियों द्वारा पाइपा लाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन का कार्य अधूरा छोड़ देने की ओर कंपनियों का ध्यान दिलाते हुए मंत्री श्री राजपूत ने नसीहत दी की सरकार की तरफ से कंपनियों को हर प्रकार का सहयोग दिया जायेगा पर कंपनिया पाइप लाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन का कार्य समय पर पूरा करे इससे जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो सके और समय पर सुविधा मिल सके।बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति अपर मुख्य सचिव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने भी कहा कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्कमें कार्य कर रही कंपनियों को धीमी प्रगति पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी चिंता जता चुके है। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने सभी कम्पनियों को हर महीने का लक्ष्य तय कर कार्य करने और प्रगति की जानकारी से खाद्य विभाग को अवगत कराने के निर्देश दिये।

दो साल में बिछ जाएगा गैस नेटवर्क का जाल

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि लक्ष्य के आधार पर मध्यप्रदेश में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क 55 जिलों के 25 भौगोलिक क्षेत्र में निर्धारित किया गया है, तथा 60 लाख उपभोक्ताओं तक पी.एन.जी.गैस कनेक्शन का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं 1207 सी.एन. जी. स्टेशन बनाये जायेंगे। इस लक्ष्य के सापेक्ष 3.19 लाख उपभोक्ताओं को पाइप लाइन के माध्यम से गैस आपूर्ति की जा रही है जबकि 378 सी.एन.जी. स्टेशन तैयार कर दिये गये है। बैठक के दौरान गेल गैस नेटवर्क, अवंतिका गैस लिमिटेड, थिंक गैस, इंडिया आयल कॉर्पोरेशन, गुजरात गैस लिमिटेड, अडानी गैस लिमिटेड, राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड और मेघा गैस के अधिकारियों ने 2 साल में 90 प्रतिशत से अधिक पाइप लाइन नेटवर्क बिछाने का भरोसा दिया है।

भोपाल।स्टेट बैंक चौराहे स्थित नेमी नाथ मंदिर झीनो के मंदिर में अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर जैन समाज के लोगों द्वारा भगवान नेमिनाथ की पूजा अर्चना की। झीनों नेमीनाथ मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगड़ ने बताया इस मंदिर की स्थापना नवाबी शासनकाल में हुई है यह मंदिर आज अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है इस मंदिर में भगवान नेमिनाथ सहित अनेक जैन संतों की पूजा की जाती हैं।

भोपाल। राजधानी म पासर्वनाथ दिगंबर जैन समिति अशोका गार्डन के सदस्यों ने निवर्तमान अध्यक्ष सचेंद्र जैन गुड्डु के विरोध में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया, समिति के सदस्यों की मांग है कि आम सभा कर मंदिर के चुनाव जल्द करवाया जाए।

नदियों का मायका कहे जाने वाले प्रदेश में नदियों के उद्गम स्थलों का संरक्षण जरूरी : मंत्री पटेल

पंच सरपंच सम्मेलन सम्पन्न

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा हैं। अभियान में खेत तालाब, अमृत सरोवरों एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण के साथ पुरानी संरचनाओं के जीर्णोद्धार, साफ सफाई का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान दूरगामी और तत्वरित रूप से परिणाम देने के साथ ही मानसून के पूर्व जल संरचनाओं को तैयार किए जाने के लिये किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। यह आवश्यक है कि नदियों के उद्गम का भ्रमण किया जाए और नदियों को में पानी को उपलब्धता बनी रहे इसके लिए परिणामदायी प्रयास किए जायें। इसी उद्देश्य से पिछले वर्ष से अब तक उन्होंने 63 और जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विगत एक माह में 32 नदियों के उद्गम का भ्रमण किया हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियों के संरक्षण के साथ छोटी नदियों का भी संरक्षण आवश्यक है। जिससे नदियों के स्त्रोत सूखने ना पाए, जल स्तर में हो रही कमी को दूर किया जा सके और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आज से प्रयास किए जाए। मंत्री श्री पटेल इंजीनियरिंग कॉलेज झाबुआ में पंच सरपंच सम्मेलन में शामिल हुए। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया और स्थानीय जन-प्रतिनिधियों ने मंत्री श्री पटेल का स्वागत जिले की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती झुलडी, साफा, तीर कमान और गुड़िया भेंट कर किया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पौध-रोपण को प्राथमिकता देना होगा। पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे बूढ़े बुजुर्गों द्वारा विभिन्न पद्धतियों का उपयोग करते हुए प्रकृति का संरक्षण किया गया लेकिन आज बदलती जीवन शैली में हम उन परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। भविष्य की पीढ़ी के साथ न्याय हो इसलिए जरूरी है कि प्रकृति का संरक्षण धारणीय विकास की अवधारणा के आधार पर किया जाए। उन्होंने सरपंचों से आग्रह करते हुए कहा कि गांधी की ग्राम स्वराज की अवधारणा अनुसारपंचायत की आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की कार्ययोजना बनाए, जल संरक्षण के लिए प्रयास करे और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दें। ग्राम पंचायतों के विकास के लिए उन्होंने ग्राम पंचायत भवनों की नई डिजाइन के आधार पर 37.5 लाख लागत से 3 मंजिल तक निर्माण किए जाने, सरपंचों को 25 लाख रुपए तक वित्तीय अधिकार दिए जाने, 5वें वित्त और स्टांप मद में इस वित्तीय वर्ष में बजट बढ़ाए जाने के प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत एक वर्ष में 589 कार्य और संपर्कता अभियान के तहत पहले चरण में 806 फलियों और द्वितीय चरण में 755 फलियों तक सड़क बनाए जाने का लक्ष्य पूर्ण किया जायेगा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से पधारे सरपंचों से प्रधानमंत्री आवास योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान, जिले में पेसा एक्ट के तहत की गई।

भोपाल। रिजनल साइंस सेंटर में विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संपादकीय

समझो यह बारात नहीं देश की कूटनीति है

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के संसदीय दल के नेता संजय राउत कह रहे हैं कि यह बारात भेजने की जरूरत नहीं है। यह सिर्फ 'टूरिज्म प्रोग्राम' चल रहा है।' कांग्रेस दो बिंदुओं पर अटकी है। वह राष्ट्रपति ट्रंप को 'अमरीकी पापा' और 'अमरीकी फूफा' कहते हुए युद्धविराम पर सवाल पूछ रही है। क्या ऐसा तंज कूटनीति में उचित और स्वीकार्य है? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए? पाकिस्तान को हमले से पहले जानकारी देकर सचेत करना विदेश मंत्री जयशंकर की चूक नहीं, एक अपराध है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि देश को जानने का अधिकार है। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के साथी दलों-सपा, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कॉन्फ्रेंस-को मौजूदा संवेदनशील दौर में भारत सरकार के निर्णयों पर आपत्ति नहीं है और वे सवाल, संदेह जताने के बजाय 'राष्ट्रीय एकजुटता' का प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ 'काली भेड़ें' हैं, जिनके दलों के सांसद 'विशेष प्रतिनिधिमंडलों' के साथ विदेश भेजे जा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक विवशता है कि उन्हें 33 देशों के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्षी सांसदों और नेताओं का सहारा लेना पड़ रहा है? यह संदर्भ राजनीतिक दलों और विपक्ष का नहीं है, बल्कि राष्ट्र भारत का है। प्रतिनिधिमंडल 'भारत के राजदूत' हैं, किसी दल-विशेष के सांसद या नेता नहीं हैं। क्या इन प्रतिनिधिमंडलों को 'बारात' माना जा सकता है? इतनी क्षुद्र और घटिया राजनीति करने की विवशता क्या है? देश के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक स्पष्ट कर चुके हैं कि विदेश मंत्री ने ऐसा बयान नहीं दिया। पाकिस्तान को इतना सचेत नहीं किया गया कि हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन, लखवी सरीखे खूंखार आतंकवादी भाग कर किसी सुरक्षित पनाहगाह में शरण ले सकें। वे निश्चित तौर पर हमारी सेनाओं के निशाने पर हैं। पाकिस्तान में आजकल अज्ञात हमलावर भी खूब सक्रिय हैं, पाकिस्तान और कांग्रेस को यह भूलना नहीं चाहिए। सवाल है कि कांग्रेस बार-बार ऐसे बयान देकर देश को भ्रमित करने पर क्यों आमादा है? सेना के आधार पर हमारे सैन्य संचालन के तीनों महानिदेशकों ने भी ब्रीफ किया था कि हमारे सभी पायलट सकुशल घर लौट आए हैं। जाहिर है कि लड़ाकू विमान भी सुरक्षित लौट आए होंगे! फिर कांग्रेस और राहुल गांधी इस बयान को क्यों दोहरा रहे हैं कि पाकिस्तान को हमले की पूर्व जानकारी थी, लिहाजा हमने कुछ लड़ाकू विमान खोए होंगे! विडंबना यह है कि इधर कांग्रेस जो बयान दे रही है, उधर पाकिस्तान मीडिया की वे सुर्खियां बने हैं। सवाल यह भी है कि कांग्रेस भारत सरकार के साथ खड़ी है अथवा पाकिस्तानी खबरों की सूत्र बनी है? बहरहाल जब भारत सरकार पाकपरस्त आतंकवाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दुनिया के प्रमुख देशों को ब्रीफ करने के लिए 59 सांसदों-नेताओं के सात प्रतिनिधिमंडल भेज रही है, तब क्या दोगली राजनीति होनी चाहिए? हम पाकिस्तान के आतंकवादी चरित्र को नंगा करना चाहते हैं और हमारा ही राजनीतिक उथलापन दुनिया के सामने है। शर्मिन्दगी की बात है। शेष विश्व क्या सोचेगा? कांग्रेस की तरफ से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद, अमर सिंह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के हिस्सा हैं।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

पर्यावरण एवं जैवविविधता से ही पक्षियों और मनुष्यों का संरक्षण

– योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र, भोपाल में स्थित, लोगों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस केंद्र के योग गुरु महेश अग्रवाल ने कई वर्षों से निःशुल्क लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाई है। वर्तमान में, यह केंद्र ऑनलाइन और प्रत्यक्ष माध्यम से योग प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान करता है। इस केंद्र के माध्यम से, हजारों योग साधकों ने अपनी योग साधना की निरंतरता से स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने की कला सीखी है। केंद्र पर महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय दिवसों के महत्व के बारे में बताया जाता है और स्वच्छता, स्वास्थ्य और प्रकृति के संरक्षण के लिए संकल्प लिया जाता है। इस केंद्र का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है और उन्हें प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

योग गुरु अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के अवसर पर कहा कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच एक स्थायी संबंध है। हम अपने भोजन और स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ विविध प्राकृतिक प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए, कई जैव विविधता मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रकृति ने सब कुछ दिया है, इस कथन का अर्थ है कि प्रकृति ने हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान की हैं, जैसे कि हवा, पानी, भोजन, आश्रय आदि। लेकिन हम अक्सर इन चीजों को अपने अधिकार के रूप में देखते हैं और उनकी कद्र नहीं करते हैं। हम प्रकृति से लाभ लेते हैं, लेकिन हम इसके लिए आभारी नहीं होते हैं और न ही हम इसके संरक्षण के लिए काम करते हैं। हम प्रकृति को एक उपहार के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि इसे एक ऐसी चीज के रूप में देखते हैं जो हमेशा हमारे लिए उपलब्ध रहेगी। इस कथन का उद्देश्य हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बारे में जागरूक करना है और हमें इसके संरक्षण के लिए काम करने के लिए प्रेरित करना है। यह हमें यह समझने के लिए प्रोत्साहित करता है कि प्रकृति हमारे जीवन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है और हमें इसके लिए आभारी होना चाहिए। खुद को बचाने के लिए प्रकृति का संरक्षण करना आवश्यक है। यह एक तत्काल आवश्यकता है। यह दिन प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए भी मनाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि योग अभ्यास और जैव विविधता के बीच एक गहरा संबंध है योग अभ्यास व्यक्ति को प्रकृति के साथ एकता की भावना को बढ़ावा देता है, जिससे व्यक्ति जैव विविधता के महत्व को समझता है। योग अभ्यास जैव विविधता का सम्मान करने की भावना को बढ़ावा देता है, जिससे व्यक्ति जैव विविधता के संरक्षण के लिए काम करता है। योग अभ्यास पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने में मदद करता है, जिससे व्यक्ति जैव विविधता के संरक्षण के लिए काम करता है। योग अभ्यास के माध्यम से जैव विविधता के महत्व के बारे में जागरूकता और शिक्षा प्रदान की जा सकती है। योग अभ्यास के माध्यम से संयम और संतुलन की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है, जिससे व्यक्ति अपने संसाधनों का उपयोग अधिक जिम्मेदारी से करता है। योग अभ्यास के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सकता है, जिससे व्यक्ति जैव विविधता के संरक्षण के लिए काम करता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि हठयोग के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के योगासनों का वर्णन आता है। हमारे आचार्यों ने विभिन्न प्रकार के आसनों के नाम भिन्न-भिन्न प्रकार से रखे। उन्होंने इन्हें बड़े अर्थपूर्ण नाम दिए। कुछ आसनों के नाम पक्षियों से संबंधित हैं जैसे बकासन (बगुला), मयूरासन (मोर), कुक्कुटासन (मुर्गा), हंसासन (हंस)। कुछ के नाम कीड़ों से जोड़े गए हैं। वृश्चिकासन (बिच्छू), शलभासन (टिड्डा)। कुछ के नाम जानवरों पर आधारित हैं श्वानासन (कुत्ता), उष्ट्रासन (ऊँट), सिंहासन (सिंह), गोमुखासन (गाय), वातायन (घोड़ा), आदि कुछ के नाम पेड़-फूल आदि पर रखे जैसे वृक्षासन (पेड़), ताड़ासन (ताड़), पद्मासन (कमल) आदि। कुछ जलचर और उभयचर प्राणियों के नाम पर भी हैं जैसे मत्स्यासन (मछली), कूर्मासन (कछुआ), भेकासन मेढ़क), मकरासन (मगर) ज़मीन में रेंगने वाले प्राणी सर्प को सर्पासन व भुजंगासन नाम दिया। हनुमानासन, वीरासन, महावीरासन, बुद्धासन जैसे आसनों के नाम भगवान की छवि से लिए और महान ऋषियों जैसे कपिल (कपिलासन), वशिष्ठ (वशिष्ठासन), विश्वामित्र, भागीरथ आदि नाम उनकी याद के लिए हमारे संस्कार में डाले।

आखिर क्या कारण रहा कि हमारे महाज्ञानी ऋषि-मुनियों ने ये नाम उनसे जोड़े। यहाँ यह तर्क बड़े सरल ढंग से किया जा सकता है कि जब हम उस आसन की अंतिम स्थिति में पहुँचते हैं तो वह आसन उसके स्वरूप में वैसा ही दिखता है जैसा आसन का नाम है। जैसे कुर्मासन , जब हम यह आसन लगाते हैं तो यह आसन कछुआ के समान ही दिखाई पड़ता है और साधक को उसके प्रति लगाव भी उत्पन्न करना रहा है। इसके पीछे और भी तर्क दिए जा सकते हैं। जब हम भिन्न-भिन्न प्राणियों के समान उनकी आकृति ग्रहण करते हैं तो साधक के मन में उनके प्रति सम्मान व प्रेम उत्पन्न होना चाहिए एवं प्राणियों से घृणा नहीं होनी चाहिए। कारण वह जानता है कि सारी सृष्टि में छोटे जीव से लेकर बड़े-बड़े महात्माओं तक वही विश्वात्मा श्वास लेता है, जो असंख्य रूपों को ग्रहण करता है। वह निराकार रूप ही उसका सबसे महान रूप है। वैसे यहाँ तर्क यह भी है कि ईश्वर ने प्रत्येक प्राणी को एक न एक गुण विशेष रूप से प्रदान किया है, यहाँ तक कि पेड़-पौधे तक में कोई न कोई गुण विशेष रहता है। चूँकि मनुष्य अपने अंदर अधिक से अधिक गुण समाहित करना चाहता है, अतः उसका उद्देश्य आसन से वह प्राप्त करना है एवं उस आसन से जो उसके लाभ हैं वह भी प्राप्त करना चाहता है। एक कारण और है कि हमें वे आचार्य प्रकृति से निकटस्थ करना चाहते हैं ताकि प्रकृति के गुणों को भी आत्मसात् कर सकें।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज हम जो जैव विविधता देख रहे हैं, वह अरबों वर्षों का विकास है, जिसे प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा और तेजी से, मनुष्यों के प्रभाव से आकार दिया जा रहा है। यह जीवन का एक अभिन्न अंग है जिस पर हम निर्भर करते हैं।

जैव विविधता को बचाना और बढ़ाना हमारा कर्तव्य

अमिताभ पाण्डेय

हम और हमारे आसपास प्राकृतिक वातावरण में जो कुछ भी दृश्य - अदृश्य - जीवंत है , वह सब जैव विविधता का प्रतीक है। इस पृथ्वी पर प्रकृति में जो रचे - बसे हैं , वे सब जैव विविधता का हिस्सा हैं ।

जल - जंगल , जीव - जंतु , नदी- पहाड़ , समुद्र - दलदल , रेगिस्तान - हरियाली , पेड़ - पौधे , फूल - फल, जड़ी - बूटी - घास, पशु - पक्षी और मनुष्य ।

जी हां ! यह सब कुछ जैव विविधता का हिस्सा है ।जैव विविधता के अंतर्गत ही आते हैं। जैव विविधता बहुत व्यापक और जीवंत विषय है।

इसके अंतर्गत पृथ्वी पर मौजूद विभिन्न प्रजातियों की संख्या, उनकी विविधता , एक ही प्रजाति के अंदर जीन की अनुवांशिकी विविधता, पास्थितिकी तंत्र की विविधता आती है। इसमें वन , घास के मैदान , समुद्री स्थिति की तंत्र भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1992 में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलनके दौरान जैव विविधता के बारे में बताया गया कि सभी स्त्रोतों से जीवित जीवन के बीच परिवर्तनशीलता को ही जैव विविधता कहते हैं । इस परिवर्तनशीलता में स्थलीय, समुद्री एवं अन्य जलीय? परिस्थितिकी तंत्र और पारिस्थितिक परिवर्तन शामिल है। जैव विविधता में प्रजातियों के भीतर , प्रजातियों के बीच , पारिस्थितिकी तन्त्र की विविधता आती है ।

जैव विविधता के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय , वन मंत्रालय सहित अन्य विभाग समन्वय के साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जैव विविधता संरक्षण संबंधी विशेष योजनाओं का संचालन कर रहे हैं।

जैव विविधता का प्रकृति, पर्यावरण, जीव जंतुओं ,मनुष्यों सहित अन्य जीवंत इकाइयों से गहरा संबंध है । जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाएं प्रदान करती है। जैसे वायु और जल का शुद्धिकरण करना , मिट्टी का निर्माण करना , जलवायु का प्रबंधन करना।

जैव विविधता खाद्य सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है क्योंकि यह फसलों , पशुओं को भी प्रजातियों संबंधी विविधता प्रदान करती है।जैव विविधता औषधिय संसाधनों का स्रोत है , जैसे कि पौधे और जानवर जो जिनका प्रकृति में अपना महत्व है। जैव विविधता के संदर्भ में भारत देश को बहुत समृद्ध माना जाता है भारत के विभिन्न इलाकों में भौगोलिक विविधता और जलवायु की विभिन्नता के कारण जैव विविधता के विविध रूप देखने को मिलते हैं।

भारत में लगभग 18 हजार विभिन्न प्रकार के पौधों की प्रजातियां पाई जाती है ।हमारे देश में लगभग 90 हजार विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं की प्रजातियां पाई जाती हैं। हमारे देश में जो वन क्षेत्र ,घास के मैदान, दलदल , मरुस्थल, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, नदी, पहाड़ , हैं। इन सबका भी जैव विविधता को बनाए रखने में बड़ा महत्व है। भारत में पश्चिमी घाट पर एक विस्तृत पर्वत श्रृंखला है।

इसी प्रकार हिमालय पर्वत की श्रृंखला , सुंदरबन क्षेत्र की मैंग्रोव वन वाली श्रृंखला , जैव विविधता के विशिष्ट उदाहरण है। इसके साथ ही हमारे देश में जितने भी राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभ्यारण है , वह भी जैव विविधता के प्रतीक हैं ।भारत में जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 पारित किया गया है जो कि जैव विविधता के संरक्षण और स्थाई उपयोग के लिए नियमन प्रदान करता है।

यह अधिनियम जैव विविधता के संरक्षण एवं उसके अवयवों के पोषण उपयोग , जैव संसाधनों और ज्ञान के उपयोग से अर्जित लाभ में उचित एवं संपूर्ण हिस्सा बढ़ाने , उससे संबंधित या उसके अनुषांगिक विषयों का अपबंधन करने संबंधित है।इस नियम के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जैव विविधता के संदर्भ में प्रकृति ने भारत के हृदय स्थल मध्य प्रदेश पर अपना भरपूर प्यार लुटाया है। मध्य प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता है ।वन एवं वन्य प्राणियों की विविधता है ।यहां वन और नदियों की उपस्थिति का बीच संबंध है जिससे जैव विविधता का संरक्षण होता है ।वनों की गोद से निकलती सोन, नर्मदा , ताप्ती , चंबल , के साथ ही केन बेतवा , माही , पाहुज , शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, नेवज , जैसी नदियां जनजीवन और जैवविविधता को बेहतर बनाती हैं।

मंडला- डिंडोरी - सिवनी - बालाघाट जैसे जिलों में में साल के वन है तो चंबल क्षेत्र के ग्वालियर , शिवपुरी , भिंड तथा दतिया में छोटे झाड़ीदार वन हैं।

मध्यप्रदेश के बैतूल - हरदा सहित कुछ अन्य जिलों में बहुमूल्य सागौन वृक्ष के वन है ।इन वनों से लकड़ी के अलावा बांस और प्रचुर मात्रा में विभिन्न प्रकार की लघु वनोंपज एवं औषधि प्रजातियां मिलती हैं।

संभवतः मध्य प्रदेश भारत का ऐसा राज्य है जहां भारत की प्रथम वन नीति अनुसार वर्ष 1994 से ही वर्किंग प्लान बनाने का कार्य किया गया। वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन की परंपरा भारत सरकार के वर्तमान उद्देश्यों और नीति निर्देशक के अनुरूप जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन कर रही है। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 की धारा 63 (1)के अनुसार मध्य प्रदेश जैव विविधता अधिनियम 2004 दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को अधिसूचित किया गया ।इसके अंतर्गत 11 अप्रैल 2005 में मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड का गठन किया गया । इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण करना , जैव विविधता के संगठनों का संवहनीय , पोषणीय उपयोग तथा जीव संसाधनों के ज्ञान के वाणिज्यिक उपयोग से अर्जित लाभ का उचित और साम्य पूर्वक वितरण करना है। जैव विविधता के संरक्षण एवं संरक्षण के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन , मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड , स्कूल शिक्षा विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के माध्यम से प्रतिवर्ष विद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए मोगली बाल उत्सव का आयोजन किया जाता है। मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय मोगली उत्सव वर्ष 2024 का आयोजन पेंच टाइगर रिजर्व जिला सिवनी में दिनांक 11 से 13 नवंबर 2024 तक किया गया। प्रदेश के सभी 52 जिलों के चयनित 242 विद्यार्थियों एवं 108 शिक्षकों ने मोगली बाल उत्सव में भाग लिया ।मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा नेचर ट्रेल, ट्रेजर हंट, हैबिटेट सर्च, स्पार्क सफारी ,जैव विविधता प्रदर्शनी , चलित जैव विविधता विज्ञान प्रदर्शनी संबंधी अनेक कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं ।

इनके माध्यम से जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन हेतु जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

क्यों खफा है ट्रंप?

राकेश दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में उन देशों के साथ प्रेम की पींगे बड़ाई है, जिनके साथ भारत के अच्छे रिश्ते नहीं हैं। इनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की शामिल हैं। यह भारत के लिए चिंता का विषय है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान में ट्रंप की दिलचस्पी केवल क्रिप्टो करेंसी के कारोबार तक ही सीमित नहीं है। उनके सहयोगियों ने हाल ही में इस्लामाबाद के साथ उनके परिवार की कंपनी के लिए क्रिप्टो करेंसी का सौदा किया था। ट्रंप की आंखों में भारत के लिए पहले जैसा प्यार नहीं रह गया है। इसको जानने के लिए अतीत को टटोलने की कोशिश करते हैं। ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच पहले कार्यकाल (2017-2021) में गर्मजोशी भरे संबंध थे। जिन्हें हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजन याद होंगे, उन्हें पता होगा कि इन दोनों नेताओं की दोस्ती कैसे परवान चढ़ी थी। 2025 में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और मोदी के प्रति उनका रुख तल्ख होता जा रहा है। यह बदलाव कोई अचानक नहीं है। इसके पीछे देश और दुनिया से संबंधित कई कारण हैं, पर अब भारत-पाक युद्ध के बाद अचानक डोनाल्ड ट्रंप का रुख भारत के प्रति कुछ ज्यादा ही रूखा नजर आ रहा है। इसके ठीक उलट ट्रंप पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत नरम दिखाई देते हैं। सवाल उठता है कि कि क्या पाकिस्तान का मोह ट्रंप को भारत से दूर कर रहा है? पाकिस्तान अमेरिका का बरसों दुलारा रहा है, पर अब चीन और रूस की गोद में जाकर बैठ गया है। ट्रंप ने जिस तरह पाकिस्तान को आईएमएफ से 2.4 बिलियन डालर का बेलआउट पैकेज दिलाया, वो यूं ही नहीं हुआ है। भारत के विरोध में यह तर्क देने के बावजूद कि इसका दुरुपयोग आतंकवाद के लिए हो सकता है, ट्रंप प्रशासन ने इस बेलआउट का समर्थन किया, जिसे भारत ने पाकिस्तान के प्रति नरमी के रूप में देखा। चीन और रूस के खिलाफ भारत का अमेरिका का खुलकर साथ न देना ट्रंप को अखरता है। कहा जा रहा है कि अमेरिका के बार-बार खुलकर कहने के बावजूद भारत चीन और रूस के सामने खुलकर अमेरिका के साथ नहीं आ रहा है। अमेरिका और ट्रंप के भारत से चिढ़ने का सबसे बड़ा कारण यह है। अमेरिका चाहता है कि एशिया में चीन और रूस से मुकाबले के लिए भारत उसके साथ आए। पर भारत ने रूस और चीन के साथ संबंधों को संतुलित रखा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने तटस्थ रुख अपनाया और रूसी तेल (13 डालर/बैरल की छूट पर) खरीदना जारी रखा, जो वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करता है। ट्रंप ने रूस के प्रति नरम नीति अपनाई, लेकिन भारत की स्वतंत्रता उन्हें अखरती है, क्योंकि यह अमेरिका के वैश्विक प्रभाव को सीमित करती है।

सामाजिक न्याय, ना बने राजनीतिक अन्याय

सरयूसुत मिश्रा

जातिगत जनगणना को जातिवादी राजनीति का हथियार मानने वाले दलों ने अब आरक्षण का तराना शुरू कर दिया है. पहले जातिगत जनगणना एजेंडा था. अब उसे सरकार ने अपने हाथ में ले लिया तो फिर आरक्षण का गाना शुरू हो गया..!!

राहुल गांधी पचास प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाने का सुर दे रहे हैं तो राष्ट्रीय जनता दल संसद और विधानसभा में ओबीसी आरक्षण की बात कर रहे हैं. जातिगत जनगणना का क्रेडिट लेने का वार तो चल ही रहा है. सामाजिक न्याय को ऐसे परोसा जा रहा है, जैसे सारे राजनेता न्यायमूर्ति की भूमिका में है. जबकि राजनेताओं का न्याय केवल वोट बैंक और सत्ता है.

उनकी दृष्टि केवल सत्ता की दृष्टि है. इसमें जिस का भी उपयोग हो सकता है वह कर लिया जाएगा. चाहे वह सामाजिक न्याय ही क्यों ना हो.

देश में आरक्षण की व्यवस्था नए-नए रूप ले रही है. आरक्षण कोटे के भीतर आरक्षण का विचार लागू हो रहा है. सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर हरियाणा और तेलंगाना में अनुसूचित वर्गों के लिए निर्धारित आरक्षण के भीतर अति गरीब जातियों को आरक्षण देने की व्यवस्था लागू कर दी गई है. सामान्य निर्धन वर्गों को आरक्षण की ऐतिहासिक व्यवस्था पहले से लागू हो गई है. अन्य पिछड़ा वर्ग में आरक्षण व्यवस्था में क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू है.

क्रीमी लेयर का मतलब है कि, एक निश्चित आय सीमा के पिछड़े वर्ग के लोगों को ही आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है. निश्चित आय सीमा के ऊपर ओबीसी समुदाय के लोगों को जनरल कैटेगरी के अंतर्गत ही कम्पटीट करना पड़ता है. ओबीसी में तो क्रीमी लेयर लागू है, लेकिन एससी और एसटी में यह व्यवस्था नहीं है.

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन वर्गों में आरक्षण कोटे के भीतर गरीब उपजातियां को आरक्षण का प्रावधान करने के पीछे भी यही सोच है कि इसका लाभ समाज के सभी जातियों को मिले. आरक्षण निर्धारित कोटा जब समाज के गरीब लोगों को मिलेगा तो फिर इसके पीछे यह सोच भी छुपी है कि, आरक्षित वर्गों के विकसित लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाए.

यह दोनों सिक्के के दो पहलू हैं. आरक्षण के कोटे में उपजातियां को कोटा देने का प्रावधान इसकी शुरुआत कहीं जा सकती है. इसका भविष्य सिक्के के दूसरे पहलू पर ही जाकर रुकेगा, जब आरक्षित वर्गों में विकसित लोगों को इससे बाहर किया जाएगा. राजनीतिक दल तो शायद यह फैसला नहीं कर पाएंगे लेकिन आरक्षण को लेकर जो पहले नहीं सोचा गया था. वह सब, जब अब धीरे-धीरे हो रहा है, तो यह काम भी या तो आरक्षित वर्गों की भीतर से ही आवाज उठने के बाद होगा या सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद इस पर अमल होगा.

सामान्य निर्धन वर्ग और ओबीसी में क्रीमी लेयर तथा एससी, एसटी कोटे के भीतर उपजातियां में कोटे की अवधारणा यही बता रही है कि आरक्षण का आधार आर्थिक होना चाहिए. अब प्रश्न आरक्षण के निर्धारित पचास प्रतिशत की सीमा को बढ़ाने का जहां तक है, यह सीमा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित की गई है.

इस सीमा के निर्धारण के पीछे यही वैधानिक विचार है कि, जनरल कैटेगरी को भी समानता पूर्वक समुचित अवसर मिलना चाहिए. इस सीमा को अगर बढ़ाया जाता है, तो फिर क्या सारी सुविधा आरक्षित वर्गों को ही मिलने लगेगी. अनारक्षित वर्ग के समानता के अधिकार का क्या होगा? इसमें और एक कानूनी परिस्थितियां हैं. ओबीसी में क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू है. वर्तमान में आठ लाख की वार्षिक आय तय की गई है. इसका मतलब है कि, ओबीसी समुदाय के जिन परिवारों की आर्थिक आय आठ लाख की सीमा में है, उन्हें ही ओबीसी आरक्षण का लाभ मिलेगा.

वर्तमान में ओबीसी के लिए सत्ताईस प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है. वर्ष 1931 में हुई जनगणना के आधार पर देश में लगभग बावन प्रतिशत ओबीसी आबादी है. क्रीमी लेयर के हिसाब से अगर इस आबादी की गणना की जाएगी तो वह प्रतिशत सत्ताईस या तीस के आसपास ही निकलेगा.

ओबीसी समुदाय में शामिल बहुत सारी जातियां हैं, जो समाज की विकसित जातियां कही जाती हैं. बहुत सारी ओबीसी जाति देश में खेती किसानी के सिरमौर मानी जाती हैं. चाहे पाटीदार हों या यादव हों यह सब विकसित बिरादरियां मानी जाती हैं. क्रीमी लेयर के ऊपर ओबीसी समुदाय में जो भी जनसंख्या है, उसे जनरल कैटेगरी में ही कंप्टीट करना पड़ता है.

यह पचास प्रतिशत की सीमा अगर बढ़ाई जाती है तो यह न केवल सामान्य वर्गों को नुकसान करेगा बल्कि ओबीसी समुदाय के उन लोगों को भी नुकसान पहुंचाएगा जो क्रीमी लेयर के सीमा से बाहर है. आरक्षण की सीमा हटाने की मांग करने वाले इस बात को समझते हैं. लेकिन उनका लक्ष्य सामाजिक न्याय नहीं है. उनका लक्ष्य तो जातिवाद की राजनीति है. दलित राजनीति का बहुजन समाज पार्टी सक्सेस मॉडल कही जा सकती है. जातिवाद कि यह राजनीति उभरी और खत्म भी हो गई. जो भी जातिवादी राजनीति करना चाहता है उसको बीएसपी से सबक जरूर लेना चाहिए.

संविधान-संविधान दोहराने वाले जातिवाद की राजनीति से समानता के संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन करते हैं. पचास प्रतिशत की सीमा वैधानिक रूप से बनाई गई है, इसको राजनीतिक रूप से हटाना संभव नहीं है.

कोई भी देश एक सीमा से ऊपर मेरिट को नजरअंदाज नहीं कर सकता. एजुकेशन में लेवल प्लेयिंग फील्ड की जरूरत है. उस तरफ किसी सरकार का या राजनीतिक दल का ध्यान नहीं रहता. शिक्षा के हालात आज भी ऐसे बने हुए हैं कि, गरीब, अमीर की शिक्षा व्यवस्था अलग-अलग है.

जब शिक्षा का लेवल अलग-अलग है, तो फिर सरकारी नौकरियों में लेवल फील्ड कैसे हो सकता है? जहां तक सरकारी नौकरियों में आरक्षण का सवाल है, वह तो दिनों दिन कम ही हो रहा है. आरक्षित वर्गों का बेकलॉक ही नहीं भरा जाता. सरकारी विभाग कॉन्ट्रैक्ट और टेंडर पर लेबर लेकर काम कराते हैं.

कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण प्रमोशन में आरक्षण आज न्यायिक समीक्षा में फंसा हुआ है. हजारों कर्मचारी अधिकारी बिना प्रमोशन लिए ही रिटायर हो रहे हैं. आरक्षण अगर संतुलित ढंग से अमल में लाया जाता है तब तक तो यह सामाजिक न्याय का आधार बन सकता है. लेकिन अगर इसे असंतुलित ढंग से उपयोग करने की कोशिश की जाएगी तो यह सामाजिक न्याय के बदले राजनीतिक अन्याय साबित होगा.

वैसे भी सरकारी नौकरियों का मोह सिर्फ पेंशन के कारण था, अब तो पेंशन की व्यवस्था वैसी ही सरकारों में भी है जैसा प्राइवेट संस्थानों में लागू है. आज के हालातों में पेंशन का भी अब मोह नहीं बचा है. जातिगत जनगणना हो रही है. इसे प्रोफेशनल ढंग से लिया जाना चाहिए. इस पर कम से कम अब तो राजनीति बंद होना चाहिए. सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीतिक अन्याय ना राजनीतिक दल के लिए फायदेमंद होगा और ना ही यह देश स्वीकार करेगा.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मरे हुए लोगों को बार-बार सांप ने काटा, 11 करोड़ की गड़बड़ी

सिवनी। एक चौंकाने और हैरान कर देने वाला घोटाला सामने आया, जिसे 'सर्पदंश घोटाला' कहा जा रहा है। इस घोटाले में सरकारी मुआवजे के नाम पर 11 करोड़ 26 लाख रुपये का गबन किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पहले से मृत 47 व्यक्तियों को बार-बार सांप के काटने से मरा हुआ दिखाया गया और बार-बार उनके नाम पर मुआवजे की राशि निकाली गई। जांच में सामने आया कि रमेश नाम के व्यक्ति को 30 बार और रामकुमार को 19 बार सांप से मरा हुआ दिखाया गया। हर बार 4 लाख रुपये की सहायता राशि उनके नाम पर स्वीकृत की गई। इस तरह अकेले रमेश के नाम पर ही 1.20 करोड़ रुपये निकाले गए।

यह घोटाला साल 2019 में शुरू हुआ और 2022 तक जारी रहा, यानी यह कमलनाथ सरकार से लेकर शिवराज सरकार तक बिना किसी रुकावट के चलता रहा। इस फर्जीवाड़े में एक सहायक सचिव के साथ 46 अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता पाई गई है, जिनमें तत्कालीन एसडीएम, पांच तहसीलदार और जिला कोषालय अधिकारी भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और बिना किसी मृत्यु प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन या पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बिल पास कर दिए गए। खास बात यह भी रही कि सरकारी आईएफएमएस प्रणाली को धोखा देकर राशि सीधे लाभार्थियों के बजाय आरोपियों के निजी खातों में भेजी गई। जांच में पाया गया कि यह घोटाला पूरी तरह सुनियोजित और संगठित था। जबलपुर संभाग की विशेष जांच टीम ने इस गबन का खुलासा किया है। फिलहाल केवल सहायक सचिव को गिरफ्तार किया गया है जबकि अन्य आरोपी अब भी खुले घूम रहे हैं। यह मामला न केवल प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर करता है,बल्कि यह भी सवाल उठाता है कि एक ही व्यक्ति को कई बार मृत दिखाकर भुगतान कैसे हो सकता है? अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि सरकार बाकी दोषियों के खिलाफ कब सख्त कार्रवाई करती है और जनता के खजाने से लूटी गई राशि की वसूली कैसे होती है।

सीएम की सभा के आमंत्रण कार्ड से कई जनप्रतिनिधियों के नाम नदारद, नाराज होकर किया बहिष्कार

जिला पंचायत अध्यक्ष राधा बाई बोली मेरा नहीं पूरी जिले की जनता का अपमान

नर्मदापुरम। सिवनी मालवा में सौ करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण 22 मई को सीएम मोहन यादव ने किया। इस कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की है, सीएम की सभा के आमंत्रण कार्ड से कई जनप्रतिनिधियों के नाम हटाकर निम्न सोच की सारी स्थितियों को पार कर दिया है । नतीजतन जो जनप्रतिनिधि सीएम के प्रोग्राम को लेकर अति उत्साहित थे उनके चेहरों पर अब मायूसी छाई है। जिला प्रशासन के आमंत्रण कार्डों पर से जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर गौर, सिवनी मालवा नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष रेणुका मृगेंद्र मंडलोई का नाम नही होने से सभी जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। सीएम का कार्यक्रम होने के चलते इनमें से हर जनप्रतिनिधि खुलकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करने से तो बच रहा है पर आमंत्रण कार्डों पर नाम नहीं होने की टीस चेहरों पर साफ देखी जा सकती है। उधर, प्रशासनिक अमला सीएम के कार्यक्रम को लेकर तैयारियों में देर रात तक जुटा रहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल का कहना है की प्रशासन के द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की गई है जो की गलत है जिसको लेकर कलेक्टर से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मेरी एवं जिला पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी की गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष को राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त है। में नर्मदापुरम जिले की आदिवासी समुदाय से महिला जिला पंचायत अध्यक्ष हूं। इसकी शिकायत पहले भी कमिश्नर, कलेक्टर एवं मंत्री से कर चुके है। सिवनी मालवा जनपद पंचायत अध्यक्ष रेणुका मृगेंद्र सिंह मंडलोई का कहना है की अभी जानकारी मिली है की सिवनी मालवा के आयोजन में नगर के जनप्रतिनिधियों के नाम नहीं है, कलेक्टर से चर्चा के बाद ही कुछ कह पाऊंगी। नगर पालिका अध्यक्ष रीतेश जैन का कहना है की मुझे इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है यदि नाम नहीं दिए गए है तो ये गलत है।

भूमि पूजन के शिलालेखों में पंचायत प्रतिनिधियों का नाम नहीं होना गलतः हाकम सिंह गुर्जर

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल का नाम आमंत्रण पत्र में नहीं होने एवं नहीं बुलाने पर जिला पंचायत अध्यक्ष नहीं अपितु वह पूरे नर्मदा पुरम जिले की जनता का अपमान है यह आरोप जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 9 के सदस्य हाकम सिंह गुर्जर ने जारी अपने बयान में लगाया हैक्योंकि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा बाई पटेल आदिवासी समुदाय से आती हैं उनके साथ ही ज्यादातरजिला पंचायत सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से दूरी बना ली

आज22 मई को नर्मदा पुरम जिले में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कई करोड़ रुपए केनिर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया है इसी कड़ी में हाल ही में पंचायत ग्रामीण विभाग द्वारा मंजूर सामुदायिक भवनों का भूमि पूजन भी मेरे जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 9 नर्मदा पुरम में हुआ है भूमि पूजन शिलालेख में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रभारी मंत्री राकेश सिंह दोनों सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं श्रीमती माया नारोलिया तथाचारों विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा, ठाकुर विजयपाल सिंह, प्रेम शंकर वर्मा एवं ठाकुरदास नागवंशी का नाम दर्ज है लेकिन विभागीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का नाम एवं क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य जनपद सदस्य एवं ग्राम पंचायत के सरपंच का नाम भी दर्ज नहीं है जिला पंचायत प्रतिनिधियों की अनुदेखी की शिकायत पहले भी जिला पंचायत अध्यक्ष नर्मदापुरम उपाध्यक्ष तथा सभी जिला पंचायत सदस्य कमिश्नर महोदय कलेक्टर महोदय जिला पंचायत सीईओ एवं विभागीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से लिखित में कर चुके हैं लेकिन अधिकारी जानबूझकर जिला पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी लगातार कर रहे हैं।

औबेदुल्लागंज के साथ आस पास आंधी तूफान के साथ गिरे ओले

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। बुधवार शाम लगभग पौने चार बजे औबेदुल्लागंज में मूसलाधार पानी के साथ ओले गिरे। कई जगह बीच स?क पर आंधी, तूफान से पे? गिरे देखे गये। आंधी में उड़े दुकानों और मकान के छप्पर सैकड़ो जगह गिरे पेड़ और बोर्ड तिरछे हुए बिजली के खंभे गनीमत रही किसी को जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। बता दें कि मध्य प्रदेश में बारिश के लिए मानसून आमतौर पर 15 जून के आसपास आना था। इस बार, 15 जून तक मानसून की एंट्री होने की संभावना जताई जा रही थी परन्तु कई घंटे औबेदुल्लागंज एवं आसपास के ग्रामो में भारी बरसात के साथ ओले गिरे। यह प्राकृतिक संतुलन को बिग?ने के आसार हैं। पै?ी की कटाई, जंगली जानवरों का शिकार, हाइवे बनने से लाखो से अधिक पे? काट दिये गये वहीं, इसका ?म्मेदार अवैध उतखान्न माना जाता रहा है। प्राकृतिक असंतुलन के कारण कई बीमारियां होना एवं अव्यवस्था उत्पन्न होना ला?मी है।

निर्माणाधीन ओवरब्रिज के सरिए आए रेलवे ट्रैक पर , वंदेभारत एक्सप्रेस के शीशे टूटे

औबेदुल्लागंज/ सुरेश केवट। बीते बुधवार को ओबेदुल्लागंज क्षेत्र में आए तेज आंधी और बारिश द्वारा निर्मित स्थिति में एक बड़ा रेल हादसा ड्राइवर की सतर्कता से टल गया। ज्ञात हो कि रानी कमलापति स्टेशन से रीवा को जाने वाली 20173 वंदेभारत एक्सप्रेस औबेदुल्लागंज नर्मदापुरम से गुजरती है, जहां ओबेदुल्लागंज के समीप प्रेमतालाब रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य जारी है, इसी निर्माण में लगने वाली लोहे की छड़ें तेज आंधी के कारण मुड़ कर पटरियों पर आ गईं। हालांकि ट्रेन चालक ने परिस्थिति को भांपते हुए ट्रेन के ब्रेक लगा दिए थे लेकिन फिर भी ट्रेन के कुछ शीशे सरिए से टकरा कर टूट गए, ट्रेन की गति कम होने और रुक जाने से हादसा टल गया। रेल प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए उन छड़ों को गैस कटर से कटवा कर ट्रैक को सुचारू किया और वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया गया। इस घटना से भोपाल इटारसी रेलवे ट्रैक लगभग 2 घंटे बाधित रहा और अमरकंटक एक्सप्रेस आदि ट्रेनों को भी विलंब से रवाना किया गया।

ट्रेन चालक की समझदारी प्रशंसनीय

ओवरब्रिज निर्माण के प्रत्यक्षदर्शी कर्मचारियों ने बताया कि सामान्यत- रोज वंदेभारत एक्सप्रेस की गति बहुत तेज होती है किंतु चालक ने परिस्थिति को दूर से भांप कर गति बहुत कम कर ली थी अन्यथा यह एक बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं रेलवे प्रशासन की तत्परता भी प्रशंसनीय रही।

यातायात पुलिस ने 'सघन जागरूकता अभियान' में नियम उल्लंघन पर की कार्रवाई

इंदौर। शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात के लिए नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से यातायात प्रबंधन पुलिस का 27 मार्च से सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों की फूल और चॉकलेट देकर सराहना की। जिम्मेदार वाहन चालकों द्वारा अभियान की प्रशंसा भी की गई। उन्होंने नियमो का पालन करने के फायदे भी बताए। यातायात पुलिस के अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र, चौराहों पर भ्रमण कर यातायात व्यवस्था में लगे कर्मचारियों/ अधिकारियों को प्रति दिन दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। इस मुहिम के दौरान अभी तक बिना नंबर या स्टाइलिश नंबर प्लेट पर 6082, मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वालों के 223, अनधिकृत हूटर के 50, गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के 1343, तीन सवारी बैठाने पर 735, रेड लाइट का उल्लंघन करने पर 3225, ब्लेक ?िल्म पर 1150, शराब पीकर वाहन चलाने पर 69, वाहनों में इमरजेंसी लाइट का अनधिकृत उपयोग पर 12 वाहनों और अन्य धाराओं में 10,346 चालान बनाए गए। इस तरह कुल 23235 वाहनों के चालान नियमो का उल्लंघन करने पर बनाए। यातायात पुलिस द्वारा चौराहों पर माइक से अनाउंसमेंट कर वाहन चालकों से यातायात नियमों के पालन में सहयोग की अपील भी की गई। अभियान के दौरान यातायात प्रबंधन मित्रों द्वारा चौराहों पर सेवा दी जा रही। कई वाहन चालक जिम्मेदारी पूर्वक इस अभियान में सहयोग देते हुए, नियमों का पालन करने लगे है।

आईआईटी इंदौर के छात्र को मिला एक करोड़ से अधिक का पैकेज, 27 लाख औसत सैलरी

इंदौर। 130 से अधिक कंपनियों की भागीदारी और 85प्रतिशत से अधिक छात्रों को मिली जॉब ऑफर से यह साफ है कि आईआईटी इंदौर के ग्रेजुएट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। आईआईटी इंदौर से ग्रेजुएट होने वाले छात्रों के लिए प्लेसमेंट के लिहाज से यह साल बेहद सफल रहा. आईआईटी इंदौर में दिसंबर 2024 को शुरू हुए प्लेसमेंट सीजन में प्रमुख टेक कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) की भागीदारी देखी गई। इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में पिछले वर्ष की तुलना में ऑफर किया गया अधिकतम सैलरी पैकेज दोगुना हो गया है। अधिकतम सैलरी पैकेज पहली बार 1 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है. औसत सैलरी में भी 13 फीसदी की वृद्धि हुई जो 27 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच गई है। ग्रेजुएट होने वाले बैच को लगभग 400 प्लेसमेंट ऑफर मिले। अब तक 85 प्रतिशत से अधिक बी.टेक छात्रों को प्लेसमेंट मिल चुका है. जॉब ऑफर के साथ-साथ कुछ छात्रों ने प्रतिष्ठित वैश्विक विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन करने का विकल्प चुना है जबकि कुछ उद्यमशीलता के उपक्रमों में शामिल हो रहे हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के जनसंपर्क अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि इस साल आईआईटी इंदौर के प्लेसमेंट में बड़ी संख्या में अलग-अलग क्षेत्र की कंपनियों ने हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में कोर इंजीनियरिंग फर्म ने इसमें भागीदारी की।

नदियों के संरक्षण एवं संवर्धनकी दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यकः दादा गुरु

आष्टा। आष्टा एक आस्थावान नगरी हैं। मॉ पार्वती एवं मॉ पापनाशिनी पपनास के तट पर बसा होने से इस नगर का धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से ओर महत्व बढ जाता हैं। कई सदियों पहले महान ऋषि अष्ठवक्र की तपस्थली रहा यह नगर दो नदियों के संगम से ओर पुण्यशाली हैं। आज हमें आवश्यकता हैं कि इस शहर के प्राकृतिक संरक्षण की दिशा में सामाजिक एकता के साथ काम किया जावे। नदियो का संरक्षण आज के समय की आवश्यकता हैं। हमें पार्वती एवं पपनास नदियों के प्राकृतिक संरक्षण की दिशा में जनआदोंलन बनाकर काम करना चाहिए। आष्टा में मॉ नर्मदा चिंतन सप्ताह का अनूठा आयोजन नगर के मुकाती परिवार ने कराया। आप सभी इस आयोजन के पुण्य के भागी हैं। उन्होने मॉ नर्मदा की महिमा का उल्लेख

करते हुए कहा कि मॉ नर्मदा के कण कण में शंकर हैं। जो मॉ नर्मदा के तटो की परिक्रमा करता हैं वह अपने व्यक्तित्व का निर्माण करता हैं। नगर के कई सामाजिक संगठनो, राजनैतिक एवं धार्मिक संगठनो के प्रतिनिधियों ने मुकाती परिवार द्वारा आयोजित मॉ नर्मदा चिंतन शिविर में पधारे मॉ नर्मदा परिक्रमावासी संत महायोगी अवधूत दादा गुरू से आशीर्वाद लिया। दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ अनिल जैन प्रगति ने पूज्य दादागुरू को आचार्य विधासागर जी महाराज द्वारा रजित मूक माटी महाकाव्य पुस्तक भेट की। दादागुरू ने आचार्य विधासागर जी महाराज को स्मरण करते हुए परिचर्चा में कहा कि आचार्य विधासागर जी महाराज ने मॉ नर्मदा के तट नेमावर में कई समय बिताऐं तथा उन्होने मॉ नर्मदा नदी के

प्रदेश में जल्द लागू होगी यूनिफाइड पेंशन स्कीम, मोहन सरकार ने की बड़ी तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और नौकरी की तैयारी करने वालों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। मोहन सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर बड़ा फैसला लिया है। यह योजना कर्मचारियों के लिए कई फायदे लेकर आएगी। आप मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारी हैं या फिर मध्यप्रदेश की सरकारी नौकरियों की एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं तो मोहन सरकार ने प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकारी कर्मचारियों की फिक्र का एक विषय हमेशा ही रहा है। ये विषय है उनकी पेंशन का। सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित राशि हर माह मिलती है जिसे पेंशन कहा जाता है। इस पेंशन को लेकर मोहन सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। मोहन सरकार ने प्रदेश में यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने का मन बना लिया है। असल में प्रदेश में अगले दो से तीन साल में ढाई लाख सरकारी पदों पर भर्तियां हो सकती हैं। इन नई भर्तियों के लिए प्रदेश सरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू कर सकती है। इस फैसले पर मुहर लगाने से पहले मध्यप्रदेश सरकार को इसका पूरा प्रारूप तय करना होगा।

असल में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना के साथ राष्ट्रीय पेंशन योजना के कुछ प्रावधानों को शामिल कर दिया है। अब प्रदेश सरकार भी इस मामले में सोच समझ कर फैसला लेना चाहती है। इसलिए हर पहलू पर गौर करने के लिए एक कमेटी तैयार कर दी है। इस कमेटी के अध्यक्ष हैं अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल। ये छह सदस्यीय कमेटी है जो पेंशन से जुड़े सारे पहलुओं का अध्ययन करेगी। कमेटी को करीब दो माह में अपना काम पूरा करना है और सरकार के सामने रिपोर्ट पेश करनी है। अभी प्रदेश में भी साल 2005 से भर्ती हुए अधिकारी और कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना यानी कि एनपीएस ही लागू है। लेकिन इस योजना को लेकर कुछ दिक्कतें हैं। इस योजना में सरकार और कर्मचारी का अंशदान बराबर का होता है। रिटायरमेंट के बाद हर कर्मचारी को न्यूनतम पेंशन साढ़े सात हजार रुपये तक मिलना चाहिए। लेकिन कुछ विसंगतियों के चलते कर्मचारियों को इतनी पेंशन नहीं मिल पाती है। प्रदेश में कुछ पेंशनर ऐसे हैं जिन्हें महीने के पांच हजार रुपये ही मिल रहे हैं। इस वजह से कर्मचारी संगठन अक्सर ये मांग करते हैं कि प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना ही लागू होनी चाहिए।

क्या है यूनिफाइड पेंशन स्कीम

ये विसंगति और विवाद प्रदेश के स्तर पर ही नहीं था बल्कि राष्ट्रीय स्तर भी यही विसंगति बरकरार थी। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने नेशनल लेवल पर यूनिफाइड पेंशन योजना लागू की है। इस पेंशन योजना का लाभ एक जनवरी से केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने भी लगा है। दरअसल यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने वाले कर्मचारियों को दूसरी पॉलिसी रियायतें, पॉलिसी चेंज या अन्य कोई फाइनेंशियल बेनिफिट नहीं मिलेगा। एक बार यूपीएस चुनने के बाद वो अपना फैसला नहीं बदल सकेंगे। इस योजना के तहत सरकार का कॉन्ट्रिब्यूशन बेसिक पे और महंगाई भत्ते की कुल राशि का 18.5 प्रतिशत हो जाएगा, जो पहले 14 प्रतिशत था।पेंशन के वही कर्मचारी हकदार होंगे जिनकी सर्विस लेंथ 25 साल की हो चुकी होगी। कर्मचारी की मौत होने पर परिवार को या आश्रित को साठ प्रतिशत तक पेंशन मिलेगी। दस साल तक नौकरी करने वालों को दस हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। इससे कम पेंशन किसी भी कर्मचारी को नहीं मिलेगी। आखिरी नियम को आसान भाषा में कुछ यूं समझें कि अगर किसी कर्मचारी ने पंद्रह साल तक काम किया है तो उसकी पेंशन होगी पंद्रह हजार रुपये प्रति माह प्लस डीआर जिसे 30 परसेंट की दर से गिना जाएगा। इसी तरह से मासिक वेतन के आधार पर पेंशन फिक्स होगी।

कमेटी की रिपोर्ट के बाद लागू हो सकती है नई पेंशन स्कीम

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार भी नेशनल पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम की इन्हीं पेचिदगियों को समझने की कोशिश में जुटी है। सरकार इसमें कुछ और भी तबकों को शामिल करने के मूड में है। मध्य प्रदेश सरकार की कोशिश है कि विधवा, परित्यक्ता या बुजुर्ग महिलाएं भी किसी तरह पेंशन स्कीम का हिस्सा बन सकें जिसे अमलीजामा पहनाने की शुरुआत कमेटी से हुई है। कमेटी के अध्यक्ष वरिष्ठ आईएएस अशोक बर्णवाल हैं, ये हम आपको बता चुके हैं। इसके अलावा वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, सचिव लोकेश कुमार जाटव, संचालक तन्वी सुंद्रियाल और सामान्य प्रशासन विभाग के उपसचिव अजय कटेसरिया इस कमेटी के सदस्य हैं। पेंशन के मसले देखने वाले विभाग के सचिव जेके शर्मा इस कमेटी के सदस्य सचिव हैं। उम्मीद की जा रही है कमेटी की रिपोर्ट पेश होने के बाद मध्य प्रदेश सरकार भी जल्द नई पेंशन स्कीम लागू करेगी।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को विदित हो कि मैं धमेन्द्र लोधी पुत्र श्री सरदारसिंह लोधी स्थाई पता- लोहर्रा तहसील ग्यारसपुर जिला विदिशा म.प्र. आधार कार्ड में त्रुटिवश पहले मेरा गलत नाम हुकुमसिंह पुत्र प्यारे लाल, आधार नं. 345588356201 दर्ज था, लेकिन अब मेरा सही नाम धमेन्द्र लोधी पुत्र श्री सरदारसिंह लोधी आधार नं. 345588356201, है, अब मुझे धमेन्द्र लोधी पुत्र श्री सरदारसिंह लोधी आधार नं. 345588356201 इसी नाम से जाना जायेगा यह सर्व साधारण को विदित हो।

भवदीय
धमेन्द्र लोधी पुत्र श्री सरदारसिंह लोधी
स्थाई पता- लोहर्रा तहसील ग्यारसपुर, जिला विदिशा म.प्र.

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को विदित हो कि मैं रोशनी विश्वकर्मा पुत्री श्री दशरथ सिंह विश्वकर्मा स्थाई पता- ग्राम पचमा तहसील गंजबासौदा, जिला विदिशा म0प्र0 आधार कार्ड में त्रुटिवश पहले मेरा गलत नाम मिथलेश रघुवंशी पत्नि गोपाल रघुवंशी, आधार नं. 777151245137 दर्ज था, लेकिन अब मेरा सही नाम रोशनी विश्वकर्मा पुत्री श्री दशरथ सिंह विश्वकर्मा आधार नं. 777151245137 है, अब मुझे रोशनी विश्वकर्मा पुत्री श्री दशरथ सिंह विश्वकर्मा आधार नं. 777151245137 इसी नाम से जाना जायेगा यह सर्व साधारण को विदित हो।

भवदीय
रोशनी विश्वकर्मा पुत्री श्री दशरथ सिंह विश्वकर्मा
स्थाई पता- ग्राम पचमा तहसील गंजबासौदा, जिला विदिशा म.प्र.

कार्यालय नगरपालिका परिषद नैनपुर जिला-मण्डला (म.प्र.)

Office of Municipal Council Nainpur, District - Mandla (M.P)
Phone No. 07646-240106, Email ID-cmonanpur@mpurban.gov.in
NIT No. 494/PWD/NP/2025 नैनपुर, Dtd. 21/05/2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2025_UAD_ 425249_1 दि. 21.05.2025	वार्ड क्रं. 14 में टेन्चिग ग्राउड में वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट निर्माण	3 Month, 46,23,251/-	5,000/- 34,700/-	26.06.2025
2025_UAD_ 425250_1 दि. 21.05.2025	वार्ड क्रं. 14 में सिविल अस्पताल के पास शौचालय निर्माण कार्य	3 Month, 20,66,592/-	5,000/- 15,600/-	26.06.2025

शर्त - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

(श्रीमति कृष्णा पंजवानी)
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद, नैनपुर

(डॉ.एल.एस.सारस)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, नैनपुर

इंटेंस टेक्नोलॉजीज़ ने दिखाई दमदार छलांग सालाना राजस्व में 32 प्रतिशत की बढ़त!

मुंबई। इंटेन्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड एक वैश्विक स्तर पर कार्यरत प्लेटफ़ॉर्म-आधारित सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है, जो कस्टमर कम्युनिकेशन, डेटा प्रबंधन और प्रोसेस ऑटोमेशन में मिशन-क्रिटिकल समाधान प्रदान करती है। आज कंपनी ने अपने ऑडिट किए गए क्यू4 एफवाय25 परिणामों की घोषणा की, जिसमें बीएफएसआइ, टेलिकॉम और सरकारी क्षेत्रों में इसके लगातार प्रभाव को रेखांकित किया गया है।इंटेन्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री सी.के. शास्त्री ने कहा-हमें गर्व है कि हमने समेकित राजस्व में 32 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि प्राप्त की है, साथ ही 12 प्रतिशत की साल दर साल इबीआइडीडीए वृद्धि हासिल की है–यह एक उपलब्धि है जो हमारे नवाचार, रणनीतिक निवेश और हमारे ग्राहकों और साझेदारों के लिए स्थायी मूल्य बनाने के प्रति हमारी अडिग प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बिक्री और विपणन में हमारी केंद्रित निवेश रणनीतियाँ स्पष्ट रूप से परिणाम दे रही हैं, जो एक उच्च-प्रदर्शन करने वाली बिक्री संगठन और प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत बाजार पैठ के रूप में परिलक्षित हो रही हैं, जिससे हमें नए राजस्व धाराओं को अनलॉक करने और ग्राहक संबंधों को गहरा करने में मदद मिल रही है। हमारे एजेंटिक एआई और जनरेटिव एआई क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करना ग्राहकों को वास्तविक समय में अनुकूलित करने, नवाचार को तेज़ करने, और दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बना रहा है।

ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेज ने क्यू4एफवाय25 में लगातार 360 प्रतिशत शुद्ध लाभ वृद्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड भारत की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर कंसल्टेंसी कंपनियों में से एक, ने क्यू4और एफवाय25 के लिए ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों की घोषणा की। ध्रुव कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती तन्वी दंडवते ङ्क औटी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने एफवाय25 में अत्यधिक अच्छा प्रदर्शन किया, जो लगातार प्रोजेक्ट जीत और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में रणनीतिक विस्तार द्वारा संभव हुआ। इस वर्ष ने रेलवे क्षेत्र में हमारी सफलता का प्रतीक बना, जहां हमें पश्चिम मध्य रेलवे से सामान्य कंसल्टेंसी का अनुबंध मिला, साथ ही कई राज्यों में हाईवे और शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी प्रमुख जीत हासिल की। 573+ करोड़ के कुल अनुबंध मूल्य के साथ, हमारी कार्यान्वयन गति मजबूत बनी हुई है। हमें विश्वास है कि यह मजबूत आधार, जो विविध परियोजना पोर्टफोलियो द्वारा समर्थित है, सतत विकास और हमारे स्टेकहोल्डर्स के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन में लगातार योगदान देगा।

आइरिस क्लोदिंग्स ने क्यू4 एफवाय25 में दिखाई तगड़ी कमाई

हावड़ा, एजेंसी। आइरिस क्लोथिंग्स लिमिटेड, जो बच्चों के रेडीमेड परिधानों के डिज़ाइन, निर्माण, ब्रांडिंग और बिक्री में संलग्न है, ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संतोष लड्डा का वक्तव्यमुझे खुशी है कि क्यू4 एफवाय25 में हमने विकास की दिशा में आगे बढ़ना जारी रखा है। पूरे वर्ष हमें इनपुट लागत से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन क्यू4 एफवाय25 में हमने परिचालन लाभप्रदता में सुधार देखा। इस वृद्धि में हमारे ब्र2क्कसेगमेंट का बड़ा योगदान रहा, जहाँ इस तिमाही में हमने 9 नए वितरक जोड़े। हाल ही में हमने 47.5 करोड़ के राइट्स इश्यू के ज़रिए पूंजी जुटाई है, जिसे रणनीतिक रूप से हमारी विकास योजनाओं में लगाया जाएगा। एफवाय26 को देखते हुए, हम अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 38,000 पीस प्रतिदिन करने की योजना बना रहे हैं। हम अपनी नई इनरवियर लाइन लॉन्च करने और स्पोर्ट्सवियर सेगमेंट को मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं ङ्क यह हमारे नवाचार और गुणवत्ता के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

'कानखजूरा' का ट्रेलर ले जाएगा अतीत की खौफनाक गहराइयों में

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव की 'कानखजूरा' एक ऐसी कहानी की झलक दिखाती है, जहाँ खामोशी भी धोखा देती है, और जो सामने दिखता है उससे कहीं ज़्यादा खतरनाक वो होता है जो छिपा होता है। हाल ही में रिलीज़ हुआ इसका ट्रेलर एक ऐसे रहस्यमय संसार में ले जाता है जहाँ अपराधबोध पीछा नहीं छोड़ता, राज़ भीतर ही भीतर सुलगते रहते हैं, और अतीत अपना हिसाब बराबर करने को लौटता है। यह सीरीज़ मशहूर इज़रायली शो मैगपी का भारतीय रूपांतरण है, जिसे भारतीय भावनाओं और तीव्र संवेदनाओं के साथ पेश किया गया है। कहानी दो बिछड़े भाइयों के रिश्ते को सामने लाती है, जिन्हें अपने सबसे डरावने अतीत से दो-चार होना पड़ता है - जहाँ यादें और हकीकत के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। जब आपकी अपनी यादें ही आपका सबसे बड़ा कैदखाना बन जाएँ, तो फिर बचने की कोई राह नहीं होती। सारा जेन डियास, जो निशा की भूमिका निभा रही हैं, कहती हैं, कानखजूरा में कुछ तो है जो बेचैन कर देता है - सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि वह सब कुछ जिससे आपको जूझना पड़ता है- अपराधबोध, परिवार और यादें। निशा ऐसा किरदार है जो बाहर से खुद को संभाले रखने की कोशिश करती है, लेकिन अंदर से टूट रही होती है। यह एक जटिल और परतदार किरदार है जिसे निभाना आसान नहीं था, लेकिन इसने मुझे भीतर से और भी मज़बूत बनाया।

द जायंट व्हील फेस्टिवल वापस आ गया है आपके शहर में

मुंबई। अब आम जिंदगी पर ब्रेक लगाने का समय आ गया है – क्योंकि शहर का सबसे वाइब्रंट उत्सव फिर लौट आया है! द जायंट व्हील फेस्टिवल का 5वां संस्करण 30 मई से 1 जून तक आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित होने जा रहा है, और ये लेकर आ रहा है मस्ती, कल्पना और आपके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स की एक जादुई दुनिया। शिन चेन, ओगी, हनी बनी, नारुतो हां – ये सभी एक ही छत के नीचे आ रहे हैं। हर उम्र के फैंस से मिलने के लिए तैयार हैं। चाहे आप हमेशा से कार्टून के दीवाने रहे हों या अब अपने बच्चों का इनसे परिचय करा रहे हों – यही वो जगह है जहाँ जादू हकीकत बनता है। यहां आप एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) से भरपूर रोमांचक एडवेंचर्स, मजेदार और रचनात्मक वर्कशॉप्स, हैरान कर देने वाले मैजिक शोज़ और हर कोने में छिपे ढेरों सरप्राइज़ की उ मीद कर सकते हैं।

उषा उथुप की आवाज में जेनएस लाइफ का गान 'कहानी अभी बाकी है' वृद्धावस्था को परिभाषित कर रहा है

मुंबई, एजेंसी। 60 साल के बाद के जीवन के लिए समर्पित उद्देश्य पर केंद्रित जेनएस लाइफ ने अपना नया गान, कहानी अभी बाकी है रिलीज किया है। यह गीत विभिन्न पीढ़ियों के बीच गुंजायमान हो रहा है। यह केवल एक गीत नहीं है, बल्कि यह महान कलाकार उषा उथुप की आवाज में भावनाओं को जगाते हुए उन लोगों की कहानियों को गौरवान्वित कर रहा है, जिनकी ऊर्जा और व्यक्तित्व उम्र के मायने बदल रहे हैं। जेनएस लाइफ संगीत, गतिविधि और जीवंत अनुभवों के माध्यम से उस पीढ़ी को सम्मानित कर रहा है, जो लगातार प्रेरणा देते हुए विकास की ओर बढ़ती और पनपती है। स्टोरीटेलिंग के साथ धुनों और जीवंत अनुभवों को आत्मसात करते हुए यह गीत, कहानी अभी बाकी है उन वरिष्ठ नागरिकों के सार को समाहित करता है, जो उद्देश्य के साथ साहसी जीवन व्यतीत करते हैं। इस पहल में मुख्य भूमिका मीनाक्षी मेनन, संस्थापिका, जेनएस लाइफ ने निभाई है, जो 'कहानी अभी बाकी है' के साथ उन लोगों की आवाज बुलंद करना चाहती हैं, जो सांस्कृतिक कहानियों में अक्सर पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा, ''इस गीत में हम न केवल शब्दों और दृश्यों के माध्यम से, बल्कि उन लोगों के माध्यम से एक साहसी कथन पेश करना चाहते थे, जो इसके संदेश को आत्मसात करते हैं। इस वीडियो में दिखाए गए हर व्यक्ति की एक शक्तिशाली कहानी है। 'कहानी अभी बाकी है' इन कहानियों को शामिल किया गया है, जो हमें स्मरण कराती हैं कि 60 साल के बाद का जीवन सामर्थ्य, उद्देश्य और आनंद का सफर होता है।''

एआई से बदल रही बैंकिंग की दुनिया, फिर भी चार में से सिर्फ एक बैंक उठा रहा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अन्य उद्योगों के साथ बैंकिंग क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर बदलाव लाने में सक्षम है। एआई एक गेम-चेंजर बन गया है, जो दक्षता, पहुंच और आर्थिक विकास की नई सीमाओं को खोल रहा है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर हर चार में से सिर्फ एक बैंक ही अपने प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है।

कंसल्टेंसी फर्म बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने एक रिपोर्ट में कहा, बैंकिंग उद्योग 2025 में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एआई और जेनरेटिव एआई बैंकिंग उद्योग को मौलिक रूप से बदल रहे हैं। रिपोर्ट में उन बैंकों के बीच बढ़ते अंतर को भी उजागर किया गया है, जो एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और जो इस मामले में पीछे हैं। एआई का इस्तेमाल नहीं करने वाले बैंकों के न सिर्फ कारोबार और सेवाओं पर असर पड़ रहा है, बल्कि लागत एवं मुनाफा भी प्रभावित हो रहा है। वहीं, एआई को अपनाने वाले बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं

रिपोर्ट के मुताबिक, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई जैसे टूल ग्राहकों को अपनी सहूलियत एवं फायदे के हिसाब से बैंकों के चयन में मदद कर रहे हैं। इसलिए, एआई संचालित अंडरराइटिंग, रियल-टाइम क्रेडिट जोखिम और इससे जुड़े वित्तीय तंत्र बैंकों के शुल्क आधारित आय को खत्म कर रहे हैं। बैंकों की भूमिका को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। बीसीजी ने रिपोर्ट में कहा, दुनिया के अधिकांश बैंक एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिहाज से बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रहे हैं। काम के परंपरागत तरीके, डाटा संकलन का अभाव व क्षमता की कमी वास्तविक समय में एआई के इस्तेमाल में बाधा बन रही है। इन कमियों को दुरुस्त कर एआई को तेजी से अपनाने के लिए भारी निवेश और प्रबंधन स्तर पर प्रतिबद्धता की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, विनियामकीय चुनौतियां एआई को अपनाने की रफ्तार को धीमा कर रही हैं। दुनिया के दो-तिहाई बैंक एआई कौशल वाले पेशेवरों की नियुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, कई बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को एआई के इस्तेमाल, उससे होने वाले लाभ और चुनौतियों के बारे में बताने की जरूरत है।

करीब 70 फीसदी भारतीय कंपनियों का मानना है कि तेजी से बदलती जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी उनके लिए सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता बन गई है। 66 फीसदी कंपनियां डाटा की सच्चाई को लेकर और 55 फीसदी उस पर भरोसे को लेकर परेशान हैं। थेल्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियां अब एआई और जनरेटिव एआई के असर को लेकर गंभीर हो चली हैं। जनरेटिव एआई को अच्छे और सेंसिटिव डाटा की जरूरत होती है, जिससे वह ट्रेनिंग ले सके और जानकारी निकालकर नया कंटेंट बना सके। यह रिपोर्ट एसएंडपी ग्लोबल की 451 रिसर्च टीम ने बनाई है। इसके लिए 20 देशों के 15 क्षेत्रों में काम करने वाले 3,100 से ज्यादा आईटी-सुरक्षा पेशेवरों से बातचीत की गई। थेल्स ने कहा, जनरेटिव एआई इतनी तेजी से बदल रही है कि कंपनियों को जल्द फैसले लेने पड़ रहे हैं।

भारत पर भरोसा! ट्रंप को अनसुना कर iPhone बनाने वाली कंपनी का बड़ा फैसला, चीन को मिर्ची लगना तय

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को भारत में स्मार्टफोन का निर्माण बंद करने को कहा था। वह चाहते हैं कि कंपनी अमेरिका में ज्यादा निवेश करे। ऐपल के सीईओ टिम कुक का कहना है कि अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर फोन चीन के बजाय भारत में बनेंगे। ट्रंप की धमकी के बावजूद कंपनी भारत में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। कर्नाटक के देवनहल्ली में फॉक्सकॉन के प्लांट में काम सामान्य रूप से चल रहा है। 300 एकड़ में फैले कंपनी के प्लांट में कर्मचारियों के रहने के लिए डॉर्मिटरी बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। ताइवान की यह कंपनी ऐपल के लिए आईफोन बनाती है।दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन देवनहल्ली प्लांट में 2.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रही है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह प्लांट देवनहल्ली तालुक के दोड्डागोल्लाहल्ली और चप्पराडाहल्ली गांवों में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 34 किलोमीटर दूर है। फॉक्सकॉन ने पहले चरण (2023-24) में लगभग 3,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दूसरे चरण (2026-27) में भी लगभग इतनी ही राशि का निवेश होने की उम्मीद है। कंपनी का लक्ष्य इस साल दिसंबर तक लगभग 100,000 आईफोन बनाने का है।

सूत्रों के अनुसार डॉर्मिटरी में लगभग 30,000 कर्मचारी रह सकते हैं। यह भारत में इस तरह की सबसे बड़ी फैसिलिटी होगी। उम्मीद है कि इसका निर्माण इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

कैनडियर ने शाहरुख खान को बनाया अपना ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई, एजेंसी। कल्याण ज्वैलर्स के लाइफस्टाइल ज्वैलरी ब्रांड कैनडियर ने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ ख़ान को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। यह साझेदारी कैनडियर की राष्ट्रीय विस्तार रणनीति का एक अहम पड़ाव है, और आधुनिक ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ज्वैलरी को फिर से परिभाषित करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। ब्रांड ने ऐसी ज्वैलरी पेश की है, जो व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति, अर्थपूर्ण उपहार और दैनिक स्टाइल का प्रतीक बने। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख़ ख़ान, जिनकी लोकप्रियता सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैली है, अब कैनडियर के डिजिटल, टीवी, प्रिंट और इन-स्टोर कैंपेन का चेहरा होंगे। उनके कालातीत आकर्षण और गहराई से जुड़े फैनबेस के चलते वे कैनडियर के विज़न के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं।

कैनडियर के डायरेक्टर, श्री रमेश कल्याणरमन ने कहा, भारतीय ज्वैलरी उद्योग में अब स्पष्ट सेगमेंटेशन देखने को मिल रहा है – उपभोक्ता अब ऐसी ज्वैलरी चाहते हैं जो उनके व्यक्तित्व, जीवनशैली और खास मौकों से मेल खाए। कैनडियर इसी बदलाव के अनुरूप बना है – खासकर उन लोगों के लिए जो दिल से त्द्दठ्ठ हैं- अभिव्यक्तिपूर्ण, अलग और डिजिटल रूप से जुड़े हुए। शाहरुख़ ख़ान के साथ हमारी साझेदारी हमारी इन्हीं भावनाओं को दर्शाती है। वे पीढ़ियों को जोड़ते हैं और आज के दौर में भी उनकी लोकप्रियता शानदार है। उनके साथ हम यह संदेश देना चाहते हैं कि कैनडियर की ज्वैलरी अब सिर्फ साज-सज्जा नहीं, बल्कि पहचान और इरादे की सोच-समझकर की गई एक विचारशील, व्यक्तिगत अभिव्यक्ति है। कैनडियर ने अपने डिज़ाइन-प्रेरित और आधुनिक संग्रहों के साथ लाइफस्टाइल ज्वैलरी के क्षेत्र में एक अनोखी पहचान बनाई है। जहां यह ब्रांड महिलाओं की समकालीन ज्वैलरी के लिए जाना जाता है, वहीं पुरुषों के लिए भी इसका कलेक्शन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है – और यह बाजार में सबसे विस्तृत पुरुष ज्वैलरी संग्रहों में से एक पेश करता है।

कंपनी ने किया बड़ा सौदा, एपल के मशहूर डिजाइनर की कंपनी को 6.5 अरब डॉलर में खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब दो साल पहले खबर आई थी कि ओपनएआई के सीइओ सैम ऑल्टमैन गुपचुप तरीके से एपल के प्रसिद्ध डिजाइनर जॉनी आइव के साथ मिलकर एक एआई हार्डवेयर प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं। अब यह रहस्य सामने आ चुका है। ओपनएआई ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि उसने जॉनी आइव की सह-स्थापित स्टार्टअप कंपनी आइओ प्रोडेक्ट को 6.5 अरब डॉलर में अधिग्रहित कर लिया है। इस कदम से यह स्पष्ट है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कंपनी अब एआई को भौतिक दुनिया में लाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। जॉनी आइव, जिन्होंने आईफोन, आईमैक और मैकबुक जैसे क्रांतिकारी प्रोडक्ट्स डिजाइन किए, अब ओपनएआई के हार्डवेयर भविष्य को आकार देंगे, हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि वे कौन-सी डिवाइस बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसे एआई से युक्त नई पीढ़ी के प्रोडक्ट्स का परिवार बताया है, जो स्क्रीन से परे हमारे दैनिक जीवन में एआई को शामिल करेगा। आइव की डिजाइन फर्म लवफ्राम, जिसे उन्होंने 2019 में एपल छोड़ने के बाद शुरू किया था।

ओपनएआई ने कहा है कि आइव और उनकी टीम को गहराई से डिजाइन और क्रिएटिव जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जो आइओ और ओपनएआई दोनों पर लागू होंगी। रिपोर्ट के अनुसार डील की घोषणा के बाद ऑल्टमैन ने अपने कर्मचारियों से कहा कि ओपनएआई के पास अब इतिहास का सबसे बड़ा काम करने का मौका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जॉनी आइव और आइओ को जोड़ने से ओपनएआई की वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ सकती है।

20 साल बाद इंडसइंड बैंक को तगड़ा झटका चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेरिवेटिव ट्रेड में गलत अकाउंटिंग और माइक्रोफाइनेंस पोर्टफोलियो में धोखाधड़ी का बड़ा असर इंडसइंड बैंक के मुनाफे पर देखने को मिला है।बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ है।इसकी प्रमुख वजह धोखाधड़ी के लिए अधिक प्रावधान है।

इंडसइंड बैंक को करीब 20 साल बाद पहली बार किसी तिमाही में घाटा हुआ है।इससे पहले 2006-07 की चौथी तिमाही में बैंक को घाटा हुआ था। 2023-24 की चौथी तिमाही में उसे 2,349 करोड़ का मुनाफा हुआ था। बैंक ने चौथी तिमाही के दौरान 2,522 करोड़ का प्रावधान किया है, जो एक साल पहले के 950 करोड़ रुपये के प्रावधान से अधिक है। बैंक की ब्याज आय में 13 फीसदी की गिरावट रही।पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 71 फीसदी घटकर 2,576 करोड़ रह गया। इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने धोखाधड़ी में लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्टिंग के कुछ कर्मचारियों के शामिल होने का संदेह जताया है।साथ ही, प्रबंधन को मामले की जानकारी जांच एजेंसियों और नियामक प्राधिकरणों को देने का निर्देश दिया है।

ब्रिटेन को उम्मीद- दोनों देशों के बीच व्यापार में आएगा 25 अरब पाउंड का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मध्यम व्यवसायों (एसएमईएस) के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश को आसान बनाएगा। इस समझौते को लेकर बुधवार को ब्रिटेन सरकार ने बयान जारी कर बताया कि इस समझौते से व्यापार अब तेज, सस्ता और आसान हो जाएगा। मामले में ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते को भारत की तरफ से अब तक किया गया सबसे बेहतरीन सौदा बताया। उन्होंने कहा कि इससे यूके की स्टील, ऑटोमोबाइल, व्हिस्की, जिन, कॉस्मेटिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, मशीनरी और मीट जैसी चीजो का भारत में निर्यात बढ़ेगा।

बता दें कि एफटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार में हर साल करीब 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। ब्रिटेन की फूड एंड ड्रिंक फेडरेशन की प्रमुख करेन बेट्स ने कहा कि ब्रिटेन ने 2024 में भारत को करीब 300 मिलियन पाउंड का खाद्य और पेय पदार्थ निर्यात किया और यह समझौता इस क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है। एफटीए डिजिटल कस्टम सिस्टम और बेहतर प्रक्रियाएं व्यापार को और आसान बनाएंगी, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए जो पहले भारतीय बाजार में नहीं आ पा रहे थे। इस मौके पर 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' की पहली बैठक भी हुई, जिसमें ब्रिटेन के बड़े बिजनेस लीडर्स शामिल हुए। यह बोर्ड छोटे व्यवसायों को वैश्विक बाजारों में पहुंच दिलाने और भारत एवं अमेरिका जैसे देशों के साथ हुए समझौतों से लाभ उठाने में मदद करेगा। वहीं इस समझौते को लेकर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के सीईओ बिल विंटर्स ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक मौका है जो भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार और नवाचार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। गौरतलब है कि एफटीए के अलावा ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भी नया व्यापार समझौता हुआ है, जिससे ऑटोमोबाइल, स्टील, एलुमिनियम, फार्मा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में 3 लाख से ज्यादा नौकरियों को फायदा मिलेगा। देखा जाए तो यह नया दौर ब्रिटेन की नई व्यापार रणनीति और छोटे व्यवसायों की नीति के तहत पूरे देश में आर्थिक विकास और जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

सब कुछ टाइड पर, भारत के उद्यमियों के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म

भोपाल। इंदौर की एक हार्डवेयर दुकान से उज्जैन के ट्यूशन सेंटर तक – मध्य प्रदेश के छोटे कारोबार अब डिजिटल युग में कदम रख रहे हैं। और इस बदलाव में उनका भरोसेमंद साथी बन रहा है टाइड। एक ऐसा राज्य, जहाँ उद्यमियों को अब तक लंबी कतारों, भारी-भरकम कागजी कार्यवाही और सीमित कर्ज़ सुविधाओं जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता था, वहीं अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में डिजिटल-फर्स्ट बिज़नेस ओनर्स की एक नई पीढ़ी उभर रही है – और वे टाइड को अपना विकास-साथी बना रहे हैं। टाइड1 भारत का एक अग्रणी बिज़नेस मैनेजमेंट प्लेटफ़ॉर्म है, जो देशभर के छोटे और मझोले कारोबारों (एमएसएमई) को उनके पैसे, कागजात, बिजनेस एडमिन, और भुगतानों को एक ही मोबाइल ऐप से मैनेज करने की सुविधा देता है। चाहे कोई कारोबारी अपना व्यापार शुरू कर रहा हो या पहले से एक बढ़ता हुआ बिज़नेस चला रहा हो – टाइड उनके लिए काम को तेज़, आसान और स्मार्ट बनाता है। अब कारोबारियों को न तो शाखा-दर-शाखा दौड़ने की ज़रूरत है और न ही दस्तावेज़ों के लिए हफ्तों इंतजार करना पड़ता है। टाइड ऐप खास तौर पर छोटे व्यवसायों की जरूरतों के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है। इसके ज़रिए एमएसएमई कुछ ही मिनटों में उद्यम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, घर बैठे जीएसटी के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपने कारोबार के लिए उपयुक्त सरकारी योजनाओं की जानकारी भी पा सकते हैं। टाइड ऐप की प्रमुख सुविधाओं में यूपीआई से डिजिटल पेमेंट, मनी ट्रांसफर और यूटिलिटी बिल का त्वरित भुगतान, लेंडिंग पार्टनर्स से आसान कर्ज़ उपलब्धता, 9.1 प्रतिशत तक ब्याज दर पर फिक्स्ड डिपॉज़िट खोलने की सुविधा और जल्द ही लॉन्च होने वाला एनसीएमसी कार्ड, जिससे मेट्रो, बस और ट्रेन से सफर करना होगा और भी आसान शामिल हैं। यह एक पूर्ण फाइनेंशियल टूलकिट है, जिसमें कोई बिचौलिया नहीं होता और सारे काम बिना किसी देरी के पूरे होते हैं।

टाइटन एज की नई कलेक्शन के साथ स्टाइल और कलर का परफेक्ट मेल

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे पतली घड़ी ब्रांड एज बाय टाइटन ने इस गर्मी अपनी नई मुरूल्स कलेक्शन के साथ फैशन और इंजीनियरिंग काबेहतरीन संगम पेश किया है। 'कलात्मक रूप से डिज़ाइन की गई' इस नई कलेक्शन में गर्मियों के रंग, हलकापन औरआधुनिकता का अनूठा मिश्रण है। सिर्फ 4.3 मिमी पतली इस घड़ी की खूबसूरती इसके सादे लेकिन प्रभावशाली डिज़ाइन में है। इसमें इस्तेमाल हुआ है टाइटन का खास 1.15 मिमी काश्वस्त्रद्दद्ब 9081 मूवमेंट, जो इसे तकनीकी रूप से भी बेहद खास बनाता है। इसका पतला और स्टाइलिश लुक गर्मियों की हल्की-फुल्की ड्रेसिंग के लिएएकदम परफेक्ट है–चाहे आप दफ्तर जा रहे हों या किसी ब्रंच पर। मुरूल्स कलेक्शन की खास बात है इसके डायल्स के रंग–गुलाबी नीला , सेज ग्रीन और हल्का पीला–जो गर्मियों की मिठास, आइसक्रीमकी ठंडक और धूप की नर्म रोशनी से प्रेरित हैं। ये रंग सिर्फ देखने में सुंदर नहीं, बल्कि पहनने में भी हल्के और मन को भाने वाले हैं। स्टेनलेस स्टील के केस और टाइटन के आइकॉनिक 'स्कूप' डिज़ाइन के साथ यह घड़ी न सिर्फ देखने में खूबसूरत है, बल्कि हर मौके के लिए उपयुक्त भी है।ये कलेक्शन आज के युवा, प्रोफेशनल और फैशन-फ़ॉरवर्ड लोगों के लिए है, जो स्टाइल में सादगी और व्यक्तित्व दोनों चाहते हैं। टाइटन की चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर कल्पना रंगमणि के शब्दों में, मुरूल्स कलेक्शन के ज़रिए हमने मिनिमलिज़्म को एक नए नज़रिए से देखा है–ऐसा जो रंगों, भावनाओं और गर्मियों की सहजता को भी अपने साथ लेकर चलता है।

एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने आर्कीटेक्ट्स एवं इंटीरियर डिज़ाइनर्स को सशक्त बनाने के लिए लॉन्च किया 'ड्यूलक्स मास्ट्रो' प्रोग्राम

गुरूग्राम, एजेंसी। जानी-मानी ग्लोबल पेंट्स एवं कोटिंग कंपनी और ड्यूलक्स पेंट्स की निर्माता एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने भारत की आर्कीटेक्ट और डिज़ाइनर कम्युनिटी को सशक्त बनाने के लिए 'ड्यूलक्स मास्ट्रो' के लॉन्च की घोषणा की है, क्योंकि वे आज के नए भारत के लिए आधुनिक लिविंग स्पेसेज़ तैयार करते हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक' भारत में इंटीरियर डिज़ाइन का मार्केट 14.3 फीसदी की दर से बढ़कर 2030 तक 81.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। भारत में शहरीकरण 2050 तक तकरीबन 50 फीसदी के आंकड़े को पार कर जाएगा, ऐसे में टियर 2 और टियर 3 शहरों में क्यूरेटेड एवं पर्सनलाइज़्ड लिविंग स्पेसेज़ की मांग तेज़ी से बढ़ रही है।

ड्यूलक्स मास्ट्रो के लॉन्च पर बात करते हुए रोहित तोतला, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने कहा, ''हाइपर-पर्सनलाइज़्ड एवं ट्रेंडी लिविंग स्पेसेज़ की बढ़ती मांग के बीच आज के संपन्न उपभोक्ता इंटीरियर डिज़ाइनरों एवं आर्कीटेक्ट्स की विशेषज्ञता का लाभ उठा रहे हैं। गुणवत्ता एवं इनोवेशन में एक्ज़ोनोबेल की 70 सालों की धरोहर के साथ ड्यूलक्स मास्ट्रो एक प्रोडक्ट से कहीं बढ़कर है। यह डिज़ाइन प्रोफेशनल्स को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि वे महानगरों में और महानगरों के दायरे से आगे बढ़कर डिज़ाइन के प्रति सजग नए भारत में स्पेसेज़ को नया आयाम दे सकें।''आर्कीटेक्ट्स एवं इंटीरियर डिज़ाइनरों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए ड्यूलक्स मास्ट्रो प्रोग्राम में कलर, विज़ुअलाइज़ेशन एवं पर्सनलाइज़ेशन में ड्यूलक्स के रूझानों के साथ आधुनिक बिज़नेस सपोर्ट शामिल है। साईट इंस्पेक्शन से लेकर, ऑन-साईट सैम्पलिंग, एक्सपर्ट कलर कन्सलटेन्सी और 2000 से अधिक शेड्स वाले ड्यूलक्स कलर प्लग-इन से युक्त अडवान्स्ड डिजिटल विज़ुअलाइज़ेशन तक; टेकनिकल ट्रेनिंग से लेकर ऑन-डिमांड प्रीव्यू तक- ड्यूलक्स के मान्यता प्राप्त सर्वोच्च कॉन्ट्रैक्टर्स एवं कोटेशन टूल्स के साथ यह प्रोग्राम हर चरण पर प्रोफेशनल्स को सशक्त बनाता है।

सैनडिस्क ने भारत में कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स का वर्कफ्लो आसान बनाने के लिए एसएसडी पेश की

मुंबई, एजेंसी। कंटेंट क्रिएटर्स विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर दिलचस्प कहानियाँ, सुंदर विज़्युअल और उच्च क्वालिटी के वीडियो पेश करके लोगों का दिल जीत रहे हैं। प्रीमियम कंटेंट की मांग को पूरा करते रहने के लिए उन्हें काफी बड़ी स्टोरेज क्षमता और तेज एवं प्रभावी वर्कफ्लो की जरूरत पड़ती है। कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स की मांग को पूरा करने के लिए सैनडिस्क ने डब्ल्यू डी ब्लू एसएन5000 एनवीएमई एसएसडी पेश की है। यह अगली जनरेशन का स्टोरेज है, जो कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स के वर्कफ्लो की मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाईन किया गया है और मल्टी-स्ट्रीम 4के वीडियो, इमेज एवं ऑडियो को स्टोर करना आसान बना देता है। विशेषताएं, फीचर्स और उपलब्धताः यह डिवाईस पीसीआईई जेन 4 के साथ उत्पादकता और वर्कफ्लो को तेज कर देती है तथा 5,500एमबी/एस2 तक की रीड स्पीड (4टीबी मॉडल) प्रदान करती है, जो पिछ्ली जनरेशन के मुकाबले 24प्रतिशत बेहतर है। एम.2 2280 फॉर्म फैक्टर के साथ, डब्ल्यू डी ब्लू एसएन5000 एनवीएमई एसएसडी पीसी की स्टोरेज क्षमता बढ़ाने, एआई का उपयोग करने तथा रचनात्मक वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित करने में मदद करती है। इस ड्राइव में बहुत तेज फ़ोल्डर और फ़ाइल कॉपी के लिए सैनडिस्क एनकैश 4.0 टेक्नोलॉजी दी गई है तथा एनवीएमई द्वारा हैवी प्रोजेक्ट्स की मल्टीटास्किंग भी आसान हो जाती है। डब्ल्यू डी ब्लू एसएन5000 एनवीएमई एसएसडी 500 जीबी से लेकर 4 टीबी तक की क्षमता में उपलब्ध है, जिसकी कीमत 3,199 से शुरू होती है। भारत में कंटेंट क्रिएटर अर्थव्यवस्था का लगातार विस्तार हो रहा है।

नगर निगम सतना में 222 लोग बने पीएम आवास के मालिक

सतना। नगर निगम, सतना के जनसुनवाई सभागार में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने पीएम आवास योजना के 222 हितग्राहियों को उनके नए घर की चाबी भेंट की। प्रधानमंत्री श्ज सशक्त नेतृत्व में हमारे वंचित परिवार जनों को मिलने वाला यह पीएम आवास उन्हें समाज में पूरे मान, सम्मान और स्वाभिमान से जीने के लिए प्रेरित करता है। इस मौके पर नगर निगम के माननीय अध्यक्ष श्री राजेश चतुर्वेदी जी, एमआईसी सदस्य श्री आदित्य यादव जी, पाषर्दगण शारदा तिवारी जी एवं श्री राजेश सूर्यवंशी जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सांसद ने की उल्दन बांध बंडा के कार्य प्रगति की समीक्षा

दमोह। सांसद राहुल सिंह लोधी ने दमोह संसदीय क्षेत्र की बण्डा विधानसभा अंतर्गत ?2610.54 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन उल्दन बांध (बण्डा) वृहद सिचाई परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की। मौका स्थल की जांच उपरांत संबंधित अधिकारियों को कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एवं डूब प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उनको आश्वस्त कराया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप शीघ्र ही मुआवजा देने की कार्रवाई पूर्ण की जाएगी साथ ही विस्थापन के लिए ग्राम- पनारी में सर्व सुविधायुक्त कॉलोनी तैयार की जा रही है जिसमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होगी। इस परियोजना से 333 ग्रामों की कुल 80 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इस अवसर पर विधायक बंडा वीरेंद्र सिंह लंबरदार जी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जाहर सिंह, जनपद अध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह लंबरदार, मंडल अध्यक्ष एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

देवी अहिल्याबाई के पदचिन्हों पर चलकर सत्ता को सेवा का जरिया मानती है भाजपा सरकार: शेषराव

देवी अहिल्याबाई होल्कर की तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे मोदी: बंटी विवेक साहू

छिंदवाड़ा। पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर 21 मई से 31 मई तक जिला मुख्यालय सहित सभी मंडलों में भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के मार्गदर्शन में अभियान चलाकर देवी अहिल्या बाई होलकर जयंती के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे।

जिला भाजपा कार्यालय में पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद बंटी विवेक साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी एवं महापौर विक्रम अहाके द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव कहा कि पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती का 11 दिवसीय जन्म उत्सव संपूर्ण जिले में मनाया जा रहा है, मैं आप सभी को उनकी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या बाई का जन्म गडरिया परिवार में हुआ था लेकिन वे अपने व्यक्तित्व और कार्यों से संपूर्ण समाजों में पूज्यनीय हो गई इसलिए हमेशा कहा जाता है कि समाज में व्यक्ति अपने गुणों से पूजा जाता है, जाति और धर्म से नहीं। पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा 17 वीं शताब्दी में किए गये कार्यों को याद करते हुए उनके द्वारा किए गया विभिन्न लोकोपयोगी कार्यों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा वर्तमान समय में दोहराया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि हम पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जयंती मना रहे हैं, मैं इस अवसर पर उन्हें नमन करते हुए आप सभी को उनकी जन्म जयंती की शुभकामनाएं देता हूं।

आज पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी जन्म जयंती के कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि देवी अहिल्या बाई होलकर को पुण्यश्लोक कहा जाता है। उन्होंने बताया कि पुण्यश्लोक का अर्थ होता है - शुभ चरित्र, अर्थात् जिसका चरित्र या यश बहुत शुभ और सुन्दर हो। महापौर विक्रम अहाके ने कहा कि मैं आप सभी को देवी अहिल्या बाई की जयंती की शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या बाई के द्वारा किए गए कार्यों और उनकी कार्यशैली के कारण उन्हें हम आज भी याद कर रहे हैं, उन्होंने हमें जो मार्ग दिखाए हम उनका अनुसरण करने की कोशिश कर रहे हैं।

टीबी मुक्त पंचायत अभियान में बैतूल को उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला राज्यस्तरीय सम्मान

सांध्य प्रकाश

बैतूल। टीबी मुक्त पंचायत अभियान के अंतर्गत बैतूल जिले को उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। राजधानी भोपाल स्थित सांदीपनि सभागार,राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा बैतूल जिले को यह सम्मान प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग ने बैतूल जिले की 219 ग्राम पंचायतों में इस अभियान के अंतर्गत प्रभावी कार्य कर क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए जिले को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान से नवाज़ा गया। सम्मान समारोह के अवसर पर बैतूल जिले की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश परिहार, जिला क्षय अधिकारी डॉ. आनंद मालवीय, तथा जिला समन्वयक श्री अजय नागले ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस सम्मान से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता और समर्पण को नई ऊर्जा मिली है। जिले की इस सफलता से अन्य जिलों को भी प्रेरणा प्राप्त होगी।

यूपीएससी में 95वी रैंक पाकर श्रुति बनी भारतीय वन सेवा अधिकारी

दमोह पथरिया-कहते है मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है ।कुछ ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है पथरिया नगर के किराना व्यापारी दिनेश जैन पारले की बेटी श्रुति ने जिन्होंने भारतीय वन सेवा यूपीएससी आई एफ एस में 95 वी रैंक पाकर परिवार,नगर,जैन समाज का नाम रोशन किया। श्रुति जैन के परिवार में माता पिता दिनेश,संध्या जैन भाई संभव हैं।आपकी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर पथरिया कक्षा पांच तक हुई।पढ़ने में अत्यधिक रुचि होने के कारण श्रुति का नवोदय विद्यालय हटा में चयन हो गया और बारहवीं तक अध्ययन कर भोपाल के कॉलेज एन आई टी भोपाल इंजीनियरिंग से स्नातक तक पढ़ाई की फिर कुछ बड़ा करने की ललक के

जिसके लिए उनका चयन जैन समाज की बड़ी संस्था जीतो संस्थान जयपुर और दिल्ली में 3 वर्ष तक पूरी शिद्दत से यूपीएससी में चयन होनी की कसम खा ली फिर क्या था लक्ष्य की प्राप्ति मई 2025 में पूर्ण हो गई।

सिविल सर्विस की तैयारी प्रारंभ कर दी

कमलनाथ ने आदिवासियों की भूमि हस्तांतरण पर जताई गम्भीर चिंता

मुख्यमंत्री को लिखा अहम पत्र, निष्पक्ष जांच हस्तांतरित भूमि पुनः आदिवासियों को उपलब्ध करायें

छिन्दवाड़ा। जिले के आदिवासी भाइयों की निरंतर अवैध तरीके से भूमि हस्तांतरण पर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गम्भीर चिंता जताते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने हेतु मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने अहम पत्र में लिखा कि छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र में आदिवासियों की भूमि को बहुत ही कम मूल्य पर भू माफियाओं को हस्तांतरित किया जा रहा है, यह आदिवासियों के जीवन पर संकट है।पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री का ध्यानाकार्षण कराते हुए अपने अर्द्ध शासकीय पत्र क्रमांक 137 में लिखा कि छिन्दवाड़ा जिले के महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। जिला छिन्दवाड़ा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। जिले के जामई, तामिया, हर्रई, अमरवाड़ा, बिछुआ एवं पांढुर्ना जिला आदिवासी क्षेत्र है। जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र में आदिवासी परिवार निवासरत है। अपनी भूमि पर कृषि कार्य कर गुजर-बसर करते हैं। अत्यंत दुख का विषय है कि वर्तमान में आदिवासियों की भूमि को ठगकर हड़पने का कार्य भू माफियाओं द्वारा छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र में किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर आदिवासी समुदाय के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है।श्री नाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखे अपने महत्वपूर्ण पत्र में आगे कहा कि आदिवासियों की जमीनों को बाजार मूल्य से बहुत ही कम दर पर अनुबंध कर क्रय-विक्रय कराया जाता है। विक्रय पत्र सम्पादन उपरांत भूमि का नामांतरण गैर आदिवासी व्यक्ति के नाम पर किया जाता है। भू-माफियाओं द्वारा आदिवासियों की भूमि का उपयोग रहवासी कॉलोनी बनाने अथवा व्यावसायिक उपयोग में ली जा रही है, जिससे आदिवासियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। आदिवासी भूमिहीन न हो जाए इसलिए दिखावटी तौर पर आदिवासी से आदिवासी के नाम पर भूमि क्रय-विक्रय, अनुबंध पत्र प्रस्तुत किए जाते है जो कि आदिवासियों के हित में नहीं है। किन्तु जिला प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है एवं आदिवासियों के हितों का संरक्षण नहीं किया जा रहा है। आदिवासी समुदाय भू-माफियाओं के शोषण का शिकार हो रहा है।मप्र भू-राजस्व संहिता में आदिवासियों के भूमि अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रावधान है। उक्त प्रावधानों का उपयोग कर अन्य जिलों में आदिवासियों की अवैधानिक रूप से हस्तांतरित भूमि पुन-आदिवासियों को उपलब्ध कराई जाकर कब्जा दिलाया गया है। बुदनी क्षेत्र में इस तरह की कार्यवाही के सम्बंध में मुझे जानकारी दी गई है। जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी की भूमियों के हस्तांतरण के सम्बंध में निष्पक्ष जांच कराई जाकर आदिवासियों की भूमि को भू-माफियाओं से छुड़ाकर पुनः आदिवासियों को उपलब्ध कराया जाना अत्यंत आवश्यक है एवं विधि अनुसार है। कमलनाथ ने पत्र के अंत में अनुरोध पूर्वक लिखा कि जिला छिन्दवाड़ा अंतर्गत आदिवासियों की भूमि हस्तांतरण के संबंध में प्रचलित उक्त कार्यवाही एवं प्रकरणों को निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराइर जाए एवं संबंधितों के विरुत्र कड़ी कार्यवाही की जाए।

ब्लॉक कांग्रेस आष्टा ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई

आष्टा। ब्लॉक नगर कांग्रेस कमेटी आष्टा ने आज स्थानीय कम्युनिटी हॉल में राजीव गांधी की पुण्यतिथि अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राजीव गांधी के जीवन और कार्यों को याद किया। राजीव गांधी के जीवन और कार्यों पर चर्चा की गई, जिसमें उनके द्वारा देश के लिए किए गए योगदानों को याद किया गया। जिसमें पंजाब समझौता राजीव गांधी ने अगस्त 1985 में अकाली नेताओं के साथ बातचीत कर पंजाब समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए समझौता किया। इसके तहत चंडीगढ़ को पंजाब को देने, शाह आयोग की सिफारिश को खारिज करने और नदी के पानी के बंटवारे के लिए न्यायाधिकरण का गठन करने का निर्णय लिया गया।असम समझौता में बाहरी लोगों के प्रवास के मुद्दे पर ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और असम सरकार के साथ बातचीत कर समझौता किया गया। राजीव गांधी ने भारत में कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए, जिससे देश की तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान हुआ। राजीव गांधी ने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और प्रशासन में सुधार हुआ। जवाहर रोजगार योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करना था, जिससे गरीबी और बेरोजगारी को कम करने में मदद मिली। शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति को बढ़ावा देने के लिए काम किया, जिसका उद्देश्य देश में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करना था।ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का उद्देश्य देश के स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना था, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में।इन निर्णयों से राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान देश में कई महत्वपूर्ण बदलाव आए और विकास की दिशा में कदम उठाए गए। उपरोक्त अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश परमार एआईसीसी सदस्य हरपाल ठाकुर,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शोभाखेड़ी,नगर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद खान गुड्डू,ग्रामीण अध्यक्ष महेश मुंदीखेड़ी,महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर , कमल सिंह चौहान, घनश्याम जांगड़ा,सन्नवर खान आदि मौजूद रहे।

देश की आन बान सेना के शौर्य सम्मान में तिरंगामय हुआ शहर सभी धर्मों के लोगों ने मिलकर निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

सिरोंज में तीनों सेनाओं के सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपना जौहर दिखाते हुए पाकिस्तान को धूल चटाने का कार्य किया उनके इस कर्तव्य को सम्मान देने के लिए देशवासी भी उत्साहित है उसका नज़ारा नगर में भी देखने को मिला बुधवार को निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा में चारों तरफ जन समूह दिखाई दे रहा था रैली में देश की आन बान शान तिरंगा लेकर लोग लहराते हुए चल रहे थे वंदे मातरम भारत माता की जय से पूरा शहर गूंज रहा था देश की सेनाओं के वीर सैनिकों के सम्मान एवं पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर नागरिकों ने मिलकर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। देशभक्ति,अमन,भाईचारा और सद्भावना का संदेश देते निकली यात्रा में हजारों की संख्या में सभी धर्म के लोग शामिल बड़ी संख्या में महिलाओं मौजूद थी बच्चे,बूढ़े युवक हाथों में तिरंगा थामकर देशभक्ति के नारे लगाकर भारतीय सेना की जय जयकार करते दिखाई दिए।

तिरंगा यात्रा की अगुआई सबसे आगे सम्मान के साथ जीप में भूतपूर्व सैनिक कर रहे थे। इनके पीछे में जीप में मातृशक्ति के रूप में सभी समाज वर्ग की प्रमुख महिलाएं नेतृत्व कर रही थी। इसके बाद कतारबद्ध होकर चल रही महिलाओं का विशाल समूह और उसके पीछे उत्साह में तिरंगा लिए हुए विधायक उमाकांत शर्मा भी पैदल नागरिकों के साथ भारत माता के जयकारे करते हुए चल रहे थे।

तिरंगा यात्रा शाम करीब चार बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्रारम्भ हुई।पूर्व में यात्रा का समापन के लिए पुराने बस स्टैंड स्थित अंबेडकर चौक का स्थान तय किया गया था परन्तु तिरंगा यात्रा में संख्या अधिक होने से इस यात्रा का समापन नवीन बस स्टैंड पर तात्या टोपे की प्रतिमा के समक्ष यात्रा समापन हुआ यहां पर विधायक उमाकांत शर्मा ने सभी समाजों के धर्म गुरुओं, तथा रिटायर्ड सैनिकों सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पूर्व मंत्री की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं, 22 मई आज जन्मदिन

पटवा मंत्रिमंडल में सबसे युवा मंत्री बने थे चौधरी चंद्रभान सिंह

गोविंद चौरसिया

छिंदवाड़ा। चौधरी चन्दभान सिंह जिले का एक जाना पहचाना नाम है जिन्हें 29 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की कैबिनेट में राज्यमंत्री बनने का अवसर मिला इसके पहले जनसंघ एवं भाजपा का कोई सदस्य मंत्री नहीं बनाया था। चौधरी चन्द्रभान सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जनसंघ के संस्थापक सदस्य चौधरी कुबेरसिंह के बेटे हैं।

चौधरी कुबेर सिंह सक्रिय राजनीति में थे उनके छोटे पुत्र चौधरी चन्द्रभान सिंह छात्रसंघ से राजनीति में सक्रिय थे पहली बार 1990 में उन्होने छिंदवाड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ा और युवा अवस्था में मंत्री बने उसके बाद में और भी चुनाव लड़े जिसमें वे कैबिनेट मंत्री रहे। मंत्री रहते चौधरी चन्द्रभान सिंह ने कई विभागों में उल्लेखनीय कार्य किया आज भी राजनीति में सक्रिय हैं आज 22 मई को उनका जन्मदिन है. जिले भर के कार्यकर्ताओं हर्षोल्लास से उनका जन्म दिन मना रहे हैं।

भाजपा के कद्दावर नेता चौधरी चन्द्रभान सिंह ने 1975 से राजनीति की शुरूआत की चन्द्रभान का कहना है कि उनकी चार पीढियां जनसंघ से लेकर भाजपा में जुड़ी रहीं हैं। चन्द्रभान पीजी कॉलेज में 1980 से छात्रसंघ में सक्रिय हुए और पीजी कॉलेज में युवर्स पैनल बनाई 1982 में लॉ कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव के अध्यक्ष रहे। विरासत में मिली राजनीति में सक्रियता को देखते हुए भाजपा ने उन्हें छिंदवाड़ा विधानसभा से 1990 में चुनाव लड़ाया और वे चुनाव जीते और सुंदरलाल पटवा की सरकार में लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बने, मंत्री रहते ही उन्हें लोकसभा का चुनाव लड़ाया गया 1991 में लोकसभा चुनाव कमलनाथ के खिलाफ लड़े हार गए। 1996 में भाजपा ने उन्हें फिर लोकसभा चुनाव लड़ाया और कमलनाथ की पत्नि अलकानाथ से मात्र 20 हजार वोटों से चुनाव हारे। चौधरी चन्द्रभान 1998 में फिर विधानसभा चुनाव लड़े लेकिन जीतने में सफल नहीं हुए लेकिन 2003 के हुए विधानसभा चुनाव में उन्होने कांग्रेस प्रत्याशी को बड़े अंतर से चुनाव हराया और उमाभारती की सरकार में मंत्री रहे, उमाभारती के बाद बाबूलाल गौर सरकार में मंत्री रहे फिर शिवराज सिंह चौहान की सरकार में मंत्री बने रहे इन पांच वर्षों में उन्होने कृषि, वनमंत्री, उच्चशिक्षा, जेल और पिछड़ा वर्ग मंत्री की जिम्मेदारी संभाली, मंत्री रहते उन्होने जिले के विकास के लिए खूब काम किया। चन्द्रभान बताते हैं कि उद्यानिकी कॉलेज उनके मंत्री रहते जिले में स्वीकृत हुआ है। माचागोराडेम बनवाना उनकी प्राथमिकता में था आखिर इस महत्वकांक्षी परियोजना का काम पूरा होने से आज यह डेम ने न केवल शहर की प्यास बुझ रही है बल्कि हजारों हेक्टेयर में कृषि भूमि की सिंचाई होने से किसानों को लाभ मिल रहा है। चन्द्रभान कहते हैं कि 2008 में जब कन्हरगांव डेम का पानी सूख गया और छिंदवाड़ा शहर में पेयजल का संकट गहरा गया खनिज मद से उन्होने 18 करोड़ की राशी स्वीकृत कर माचागोरा से चंदनगांव फिल्टर प्लांट तक पाईप लाईन के माध्यम से पानी पहुंचाया गया और पेयजल संकट से निजात दिलाई, इन्ही के कार्यकाल की देन है कि माचागोरा डेम से धरमटेकड़ी फिल्टर प्लांट तक 24 गांव में टंकी के माध्यम से परियोजना की शुरूआत हुई पीएचई के माध्यम से जिले के 700 गांव में नलजल योजना प्रारंभ की गई जो आज चालू है। गांव में चेकडेम बनाकर सिंचाई के साधन उपलब्ध कराये गए, सड़कों का जाल फैलाया गया।

कोयलांचल क्षेत्र की जनता पेयजल की समस्या से जूझ रही थी। मन्धान डेम बन जाने से पेयजल की समस्या दूर हुई है।

मोहखेड़ क्षेत्र में सरोठ जलाशय बनवाकर उन्होने 38 गांव के लोगों को पीने के पानी और सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई। मानसरोवर काम्पलेक्स बनना भी शहर के लिए बड़ी उपलब्धि है। दुकानों के माध्यम से आज हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। जेल काम्पलेक्स की भूमि नगरपालिका को उपलब्ध कराई जहां आज प्राईवेट बस स्टैण्ड बना और दुकानें बनाई गई। धरमटेकड़ी राजस्व विभाग के पास थी जिसे नगरपालिका दिया गया और आज यहां फिल्टर प्लांट के साथ पार्क और सैकड़ों लोग प्राकृतिक वातावरण में सुबह की सैर करते हैं। गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मथुराप्रसाद स्कूल की जगह कॉलेज को स्थानांतरित की गई जिससे यहां नई बिल्डिंग और हॉस्टल बनने से छात्राओं को लाभ हुआ। मेडीकल कॉलेज भी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी बोलकर यहां कॉलेज की स्वीकृति दिलाई गई। चन्द्रभान ने 2013 में विधानसभा और फिर 2014 में लोकसभा चुनाव लड़ा, फिर उन्हें 2018 में विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन वे हार गए। चौधरी चन्द्रभान सिंह का जन्म छिंदवाड़ा में 22 मई 1961 को हुआ था उन्होने बी कॉम एलएल बी तक शिक्षा प्राप्त की है। उन्होने 3 लोकसभा और 6 बार विधानसभा का चुनाव लड़ा।

माचागोरा डेम में विशेष भूमिका

मंत्री रहते चौधरी चन्द्रभान सिंह ने पेयजल एवं सिंचाई व्यवस्था में बहुत कार्य किया माचागोरा डेम को बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी आज माचागोरा डेम से सिंचाई के साथ पेयजल व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल रही है। सिवनी जिले को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी दे रहे हैं।

आम की प्रदर्शनी लगवाई थी

कृषि मंत्री रहते उन्होने उद्यानिकी कॉलेज स्वीकृत करवाया उन्होने एक बार देशभर के आम उत्पादको को बुलाकर प्रदर्शनी लगवाई और प्रदर्शनी में आमों की बिक्री भी हुई जिसका आनंद जिले वासियों ने उठाया यह प्रदर्शनी प्रतिवर्ष लगना चाहिये जिससे आम की कई प्रजातियों का उत्पादन छिंदवाड़ा में हो सके। 6 बार विधानसभा का चुनाव लड़ा।

सुंदरलाल पटवा ने अपना प्रतिनिधि बनाया था छिंदवाड़ा लोकसभा के उपचुनाव में जब सुंदरलाल पटवा और कमलनाथ का मुकाबला था तो चन्द्रभान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी वे पटवा जी के सलाहकार थे और चुनाव प्रभारी भी थे इस चुनाव में सुंदरलाल पटवा ने कमलनाथ को चुनाव में शिकस्त दी थी चुनाव जीतने के बाद चन्द्रभान को पटवा जी ने सांसद प्रतिनिधि भी बनाया था।

गंगाराम मिगलानी के हस्तक्षेप के बाद चौधरी चन्द्रभान सिंह बने मंत्री

1990 में पटवा जी की सरकार में जब मंत्री बनने का नम्बर आया तो जिले से श्रीमति कमला वाडिवा को लेकर खबर आयी कि उन्हें शपथ लेना है लेकिन छिंदवाड़ा भाजपा के सर्वेसर्वा गंगाराम मिगलानी तो पता चला कि श्रीमति कमला वाडिवा का नाम मंत्री बनने को लेकर है तो उन्होने कुशाभाऊ ठाकरे के माध्यम से चौधरी चन्द्रभान सिंह को मंत्री बनवाया गंगाराम मिगलानी के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से अच्छे संबंध थे जब भाजपा का झंडा लोग उठाने को तैयार नहीं थे तब गंगाराम मिगलानी अपनी टीम के साथ खड़े रहते थे और पार्टी का संचालन करते थे।

राजा बाबू सिंह को उत्तरी कमान के सफल कार्यकाल पर लेफ्टीनेंट जनरल द्विवेदी ने दी थी बधाई

नई दिल्ली। लेफ्टीनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजा बाबू सिंह को उत्तरी कमान के सभी रैंकों की ओर से आईजी बीएसएफ, कश्मीर फ्रंटियर के रूप में अत्यंत सफल कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी थी। द्विवेदी ने कहा, आपने उस समय पदभार संभाला था जब कश्मीर में स्थिति अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के बाद स्थिरीकरण के अशांत चरण से गुजर रही थी।

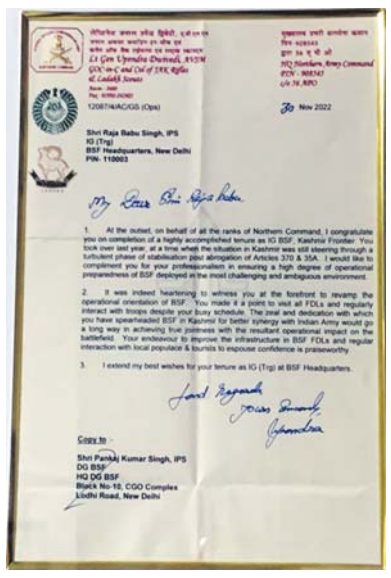

उन्होंने राजा बाबू सिंह की सबसे चुनौतीपूर्ण और अस्पष्ट वातावरण में तैनात बीएसएफ की उच्च स्तर की परिचालन तैयारियों को सुनिश्चित करने में पेशेवरपन के लिए सराहना की है। उन्होंने कहा,बीएसएफ के परिचालन अभिविन्यास को नया रूप देने के लिए आपको सबसे आगे देखना वास्तव में उत्साहजनक था। लेफ्टीनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, आपने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद सभी एफडीएल का दौरा करना और सैनिकों से नियमित रूप से बातचीत करना सुनिश्चित किया। जिस उत्साह और समर्पण के साथ आपने कश्मीर में बीएसएफ का नेतृत्व किया है, उससे भारतीय सेना के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने में काफी मदद मिलेगी, जिसका परिणाम युद्ध के मैदान पर परिचालन प्रभाव के रूप में सामने आएगा। बीएसएफ, एफडीएल में बुनियादी ढांचे में सुधार करने और स्थानीय लोगों और पर्यटकों के साथ नियमित बातचीत करके विश्वास जगाने का आपका प्रयास सराहनीय है। लेफ्टीनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, बीएसएफ मुख्यालय में आईजी (प्रशिक्षण) के रूप में आपके कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

एमपी में कहीं लू तो कहीं आंधी-बारिश

60 किमी घंटा तक रहेगी हवा की रफ्तार, रायसेन के मंडीदीप में 18 खंभे उखड़े, 60 गांव में बिजली गुल

भोपाल। मई में मध्यप्रदेश में सावन-भादौ जैसा मौसम है। पूरे महीने प्रदेश के किसी न किसी जिले में बारिश हो रही है। बुधवार को ओले, बारिश और आंधी का दौर रहा। वहीं, कुछ शहरों में तेज गर्मी भी रही।

बुधवार को रायसेन के मंडीदीप में आंधी से 18 बिजली के खंभे उखड़ गए। करीब 60 गांव में बिजली गुल हो गई। देर रात छतरपुर और मुरैना में तेज आंधी में पेड़ गिर गए, जिससे बिजली के तार टूट गए। मुरैना में टिन उड़कर एक महिला के चेहरे पर लगा, जिससे वह घायल हो गई। छतरपुर के नौगांव में तेज हवा से एक बुजुर्ग महिला छत से गिर गई। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

ऐसा ही मौसम गुरुवार को भी बना रहेगा। ग्वालियर-चंबल संभाग में लू और भोपाल, इंदौर समेत 35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में लू चलने का अलर्ट है।

वहीं, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर और झाबुआ में आंधी का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, सीहोर, शाजापुर, देवास, धार और रतलाम में तेज आंधी और बारिश होने की संभावना है।

313 जिलों में आंधी बारिश, ओले भी गिरे

प्रदेश के 13 से ज्यादा जिलों में बुधवार को आंधी-बारिश का दौर रहा। कुछ जिलों में ओले भी गिरे। भोपाल-इंदौर में दोपहर तक तेज गर्मी रही, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश शुरू हो गई। सीहोर के कई गांवों में ओले गिरे। रतलाम, विदिशा में तेज आंधी वाला मौसम रहा। धार, रतलाम, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, रायसेन, रीवा, सागर, बालाघाट में भी बारिश का दौर चलता रहा। होशंगाबाद रोड पर मंडीदीप और औबेदुल्लागंज के बीच 10 से ज्यादा बिजली के पोल तेज हवा से झुक गए।

इधर, छतरपुर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। खजुराहो में पारा 46 डिग्री और नौगांव में 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। टीकमगढ़ में 44.5 डिग्री, गुना में 44.4 डिग्री, शिवपुरी में 44.2 डिग्री, सतना में 43.6 डिग्री, दमोह में 42 डिग्री, सीधी में 41.9 डिग्री, उमरिया, रीवा-सागर में 41 डिग्री और मंडला में 40.2 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सबसे ज्यादा 44.6 डिग्री, भोपाल में 39.1 डिग्री, इंदौर में 36.8 डिग्री, जबलपुर में 41 डिग्री और उज्जैन में पारा 38.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

कलेक्टरों की परफार्मेंस कुंडली तैयार करा रही सरकार

400 से अधिक पैरामीटर और सरकार की प्राथमिकता बनेगी रेटिंग का आधार

भोपाल। मोहन यादव सरकार कलेक्टरों के बार-बार किए जाने वाले तबादलों पर कंट्रोल करने के बाद अब उनके कामों की रेटिंग करा रही है। योजनाओं पर अमल के लिए तय की परफार्मेंस इंडिकेटर के साथ डायनॉमिक पैरामीटर भी रेटिंग तय करने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

सरकार ने परफार्मेंस रेटिंग के लिए पहले स्टेट कॉल सेंटर से किए गए कॉल को आधार बनाया था लेकिन अब इसमें

बदलाव किया जा रहा है। कॉल सेंटर से कॉल के जरिये लिए गए फीडबैक में अच्छा काम करने वाले कई कलेक्टरों की रेटिंग कमजोर आई थी। इस कारण भी इसमें बदलाव किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मई में हुई समाधान ऑनलाइन की बैठक में यह कहकर सभी 55 जिलों के कलेक्टरों को चौंकाया था कि उनके पास हर कलेक्टर की परफार्मेंस रिपोर्ट है लेकिन इस बार इसे वायरल नहीं कर रहे हैं। अब जिलों की ग्रेडिंग का काम सरकार करा रही है। इसके बाद अच्छा काम करने वाले कुछ कलेक्टरों ने इसकी जानकारी जुटाई तो पता चला कि सरकार के फार्मूले के चलते अच्छा करने के बाद भी वे कमजोर परफार्मेंस वाले जिलों में शामिल हैं। इसके बाद ग्रेडिंग फार्मूले पर सवाल भी उठाए जाने लगे।

हर विभाग से लेते हैं ऑनलाइन डेटा, अलग से कोई जानकारी नहीं

सीईओ एमपीएसईडीसी वशिष्ठ का कहना है कि हर विभाग से उनसे संबंधित योजनाओं के पैरामीटर्स की जानकारी बुलाई जाती है। सारे विभागों के पोर्टल कनेक्टेड हैं, इसलिए इसके आधार पर रिपोर्ट मिल रही है। इसके बाद सभी योजनाओं के एवरेज के आधार पर रिपोर्ट बनाने का काम हो रहा है। यह शुरुआती दौर है, इसलिए अभी कलेक्टरों को इसकी जिलावार रिपोर्ट सामूहिक तौर पर नहीं दी गई है।

समय-समय पर प्राथमिकता भी बदलेगी

कलेक्टरों की परफार्मेंस रिपोर्ट में एक खास बात यह भी है कि इसमें योजनाओं के पैरामीटर्स के साथ शासन की प्राथमिकता को भी ध्यान में रखा जाएगा। जैसे गर्मी में गेहूं की खरीदी, जून में स्कूल और कॉलेज में प्रवेश, बारिश के दौरान बाढ़ व राहत के इंतजाम, त्यौहारों के समय कानून व्यवस्था, उद्योग वर्ष में उद्योग लगाने के लिए भूमि आवंटन और अन्य कार्यों में तेजी लाने जैसे अन्य तय किए जाने वाले पैरामीटर भी प्रभावी माने जाएंगे।

भोपाल- इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट से तुर्किये की कंपनी को बाहर करने की मांग

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सहयोग करने वाले तुर्किये के विरुद्ध भारतीयों में आक्रोश है। इसी के साथ तुर्किये की यहां काम करने वाली कंपनियों का विरोध भी शुरू हो गया है। तुर्किये की असिस कंपनी भोपाल व इंदौर मेट्रो ट्रेन में आटोमैटिक फेयर (किराया) कलेक्शन सिस्टम लगाने का काम कर रही है। भोपाल से भाजपा सांसद आलोक शर्मा ने बुधवार को कहा कि तुर्किये की कंपनी द्वारा मेट्रो के जिन कामों का ठेका लिया गया है, उन्हें जल्द से जल्द निरस्त करवाया जाएगा। भारत विरोधी ताकतों का साथ देने वालों के लिए यहां कोई काम नहीं है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित हाईकमान से बातचीत करूंगा। बता दें, कंपनी ने एक साल पहले 53 स्टेशनों में यह सिस्टम लगाने के लिए 186 करोड़ रुपये में ठेका लिया था। 31 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भोपाल आएंगे। वह लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो फ्लाइट पर गिरी बिजली, विमान का अगला हिस्सा टूटा

नई दिल्ली/श्रीनगर। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई2142 को खराब मौसम का सामना करना पड़ा। उड़ान के दौरान तेज बर्फबारी, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली की चपेट में आने के बाद पायलट ने त्वरित निर्णय लेते हुए श्रीनगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क कर आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी। फ्लाइट में सवार 227 यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान ने शाम करीब 6:30 बजे श्रीनगर हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। बिजली गिरने की घटना के बाद तकनीकी खराबी की आशंका के चलते इंडिगो ने विमान को एयरक्राफ्ट

ऑन ग्राउंड (एओजी) घोषित कर दिया है। अब यह विमान अगली उड़ान से पहले विस्तृत तकनीकी जांच और मरम्मत से गुजरेगा। ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि विमान कुछ समय तक हवा में चक्कर काटता रहा। बिजली गिरने से इंजन या इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं, जिसकी जांच एयरलाइन की तकनीकी टीम कर रही है। इंडिगो ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की, जिसमें फ्लाइट की स्थिति ऑनलाइन जांचने, खासकर गोवा और कश्मीर जैसे खराब मौसम वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सावधानी बरतने और एयरपोर्ट के लिए समय से पहले निकलने की सलाह दी गई है।

पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे संदीप रघुवंशी

छिंदवाड़ा। पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह को भाजपा नेता संजय रघुवंशी बधाई देने पहुंचे । सुबह से ही उन्हें बधाई देने वालों का ताता लगा रहा है सुबह हनुमान मंदिर गए एवं वृद्धाआश्रम में फलों का वितरण किया।

Congratulations!

VIDYA BHUMI PUBLIC SCHOOL
विद्या ददाति विनयम्
Estd.1999

Congratulations!

OUR STAR PERFORMERS IN CLASS X CBSE 2025

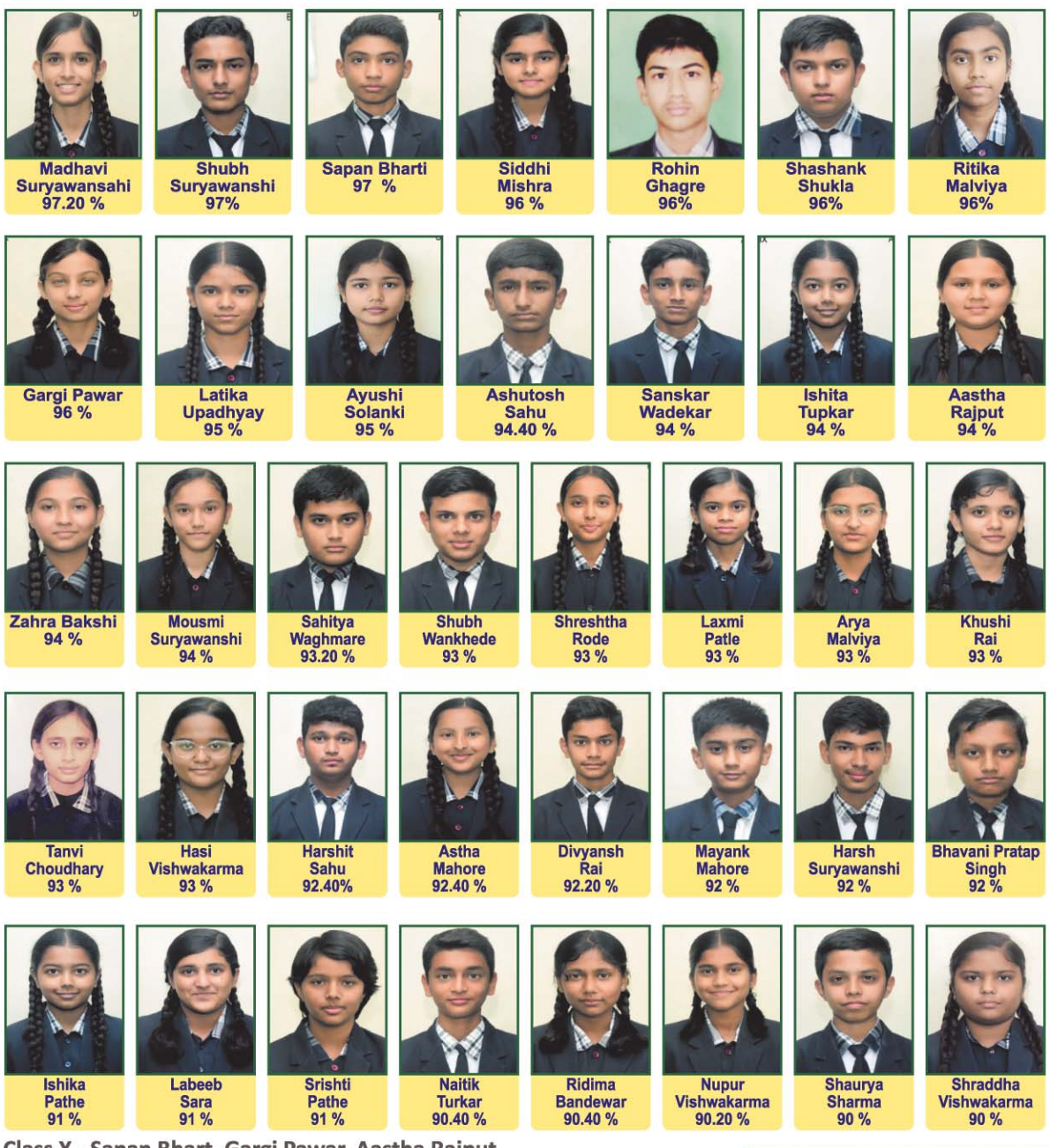

OUR STAR PERFORMERS IN CLASS XII CBSE 2025

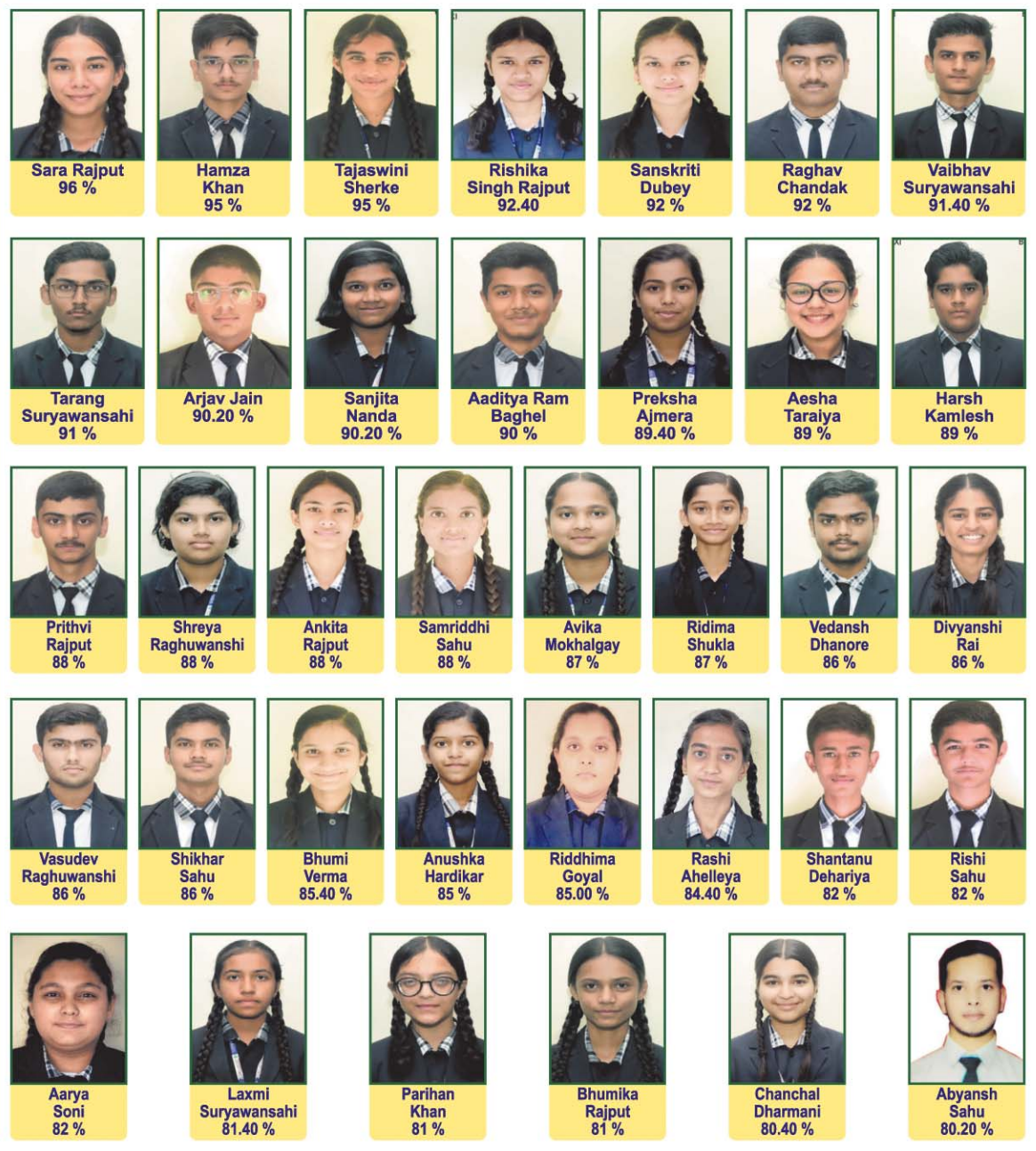

Class X - Sapan Bhart, Gargi Pawar, Aastha Rajput scored 100/100 in Computer Application.
Class X - Shubh Suryawanshi Scored 100 / 100 in Social Science.
Class X - 38 Students Scored above 90% Aggregate Marks.
Class XII - 11 Students Scored above 90% Aggregate Marks.

Why to Choose Vidya Bhumi Public School--
● Academic Excellence ● Professional Teachers ● Holistic Development
● Well equipped Labs ● State-of-the-Art Facilities
● Comfortable classroom ● Career Counselling ● Transport Facility

ADMISSION OPEN
Subjets for Class 11th & 12th

Group
• Maths • Biology
• Commerce
• Arts

Optional Subjects
1. Physical Education 2. Computer Science
3. Information Practices 4. Hindi Core
5. Commerce with Maths 6. Bio Technology
7. Physical Activity Trainer

7828797711, 222311
vidyabhumipublicschool@gmail.com
www.vidyabhumi.edu.in
Deen Dayal Puram Chhindwara